RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 अंक : 357 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

आंबेडकर के मुद्दे पर विपक्ष का संसद में जमकर हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में आज आंबेडकर मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित हो गई। आज राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह के एक बयान पर विपक्ष भड़क गया है। संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, डॉ. बीआर अंबेडकर जी संविधान के निर्माता हैं, संविधान उन्होंने बनाया है ऐसी परिस्थिति में जिस तरह से गृह मंत्री अमित शाह ने अपमानजनक भाषा में कहा है वो अक्षम्य है। कांग्रेस के लोग डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान नहीं सहेंगे।

लोकसभा में आज आंबेडकर मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही दोपहर दो बजे तक स्थगित हो गई। दरअसल मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी और उसे आंबेडकर का अपमान बताया था। राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर खूब नारेबाजी हुई, जिसके बाद राज्यसभा भी दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस सांसदों ने सुबह 10.30 बजे सीपीपी (कांग्रेस संसदीय दल) कार्यालय में बैठक की। इसमें संसद में डॉ. बीआर आंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के मुद्दे को सदन में उठाने की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस सांसद विजय वसंत ने मनरेगा मजदूरी में असमानताओं पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने डॉ. बीआर आंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया।

दिल्ली-एनसीआर में धुंध की चादर

वायु गुणवत्ता सूचकांक भी गंभीर स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवा का सितम जारी है। आज सुबह राजधानी में धुंध की मोटी चादर छाई रही जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। सुबह के समय विजिबिलिटी भी 50 मीटर तक गिर गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार और शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को सुबह 9 बजे एक्यूआई 441 (गंभीर) दर्ज किया गया, जिसमें मंगलवार शाम 4 बजे 24 घंटे के औसत एक्यूआई 443 (गंभीर) से मामूली अंतर था।

हवा की गति में कमी और पश्चिमी विक्षोभ के हस्तक्षेप के कारण 15 दिसंबर से शहर की वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट देखी गई है। प्रदूषण के गंभीर स्तर के साथ-साथ, शहर में सुबह के समय फिर से कोहरे की मोटी चादर देखी जा रही है। आईएमडी के अनुसार, सफदरजंग में (शेष पृष्ठ-3 पर)

एनसीआर में कहां कितना एक्यूआई

एनसीआर में भी हवा की क्वालिटी ज्यादा अच्छी नहीं है। सुबह 10 बजे के आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 419, नोएडा में 379, ग्रेटर नोएडा में 295, गुरुग्राम में 396 और फरीदाबाद में 356 है। दिल्ली के एक-दो स्टेशनों को छोड़कर सभी में एक्यूआई 400 से ऊपर है। द्वारका सेक्टर-8 में एक्यूआई 456, आईजीआई एयरपोर्ट पर 416, मुंडका में 466, पूसा-डीपीसीसी में 417, शादीपुर में 418, पंजाबी बाग में 459, नॉर्थ कैंपस में 435, आरके पुरम में 464, मंदिर मार्ग में 433, रोहिणी में 464, वजीरपुर में 471, श्री अरबिंदो मार्ग पर 417, अशोक विहार में 457, आया नगर में 412, लोधी रोड में 352, डीटीयू दिल्ली में 430, चांदनी चौक में 376 दर्ज किया गया।

लखनऊ प्रदर्शन में शामिल हुए कई कांग्रेसी नेता

नोएडा/लखनऊ (चेतना मंच)। आज महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेसजन लखनऊ के प्रदर्शन में शामिल हुए। शामिल होने वाले में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय शूटर किसान नेता, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पर्यवेक्षक तथा पूर्व विधायक प्रत्याशी पूनम पंडित, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, दामिनी शर्मा, नसीम खान, विवेक, प्रमोद, आनंद, विकी, सरोज, आशीष, आसिफ व अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस के कई नेता घरों में नजरबंद, कुछ हिरासत में

नोएडा (चेतना मंच)। 18 दिसंबर 2024 को प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ में आज होने वाले विधानसभा घेराव में भाग लेने जा रहे कांग्रेस पार्टी के काफी कार्यकर्ता व नेताओं को भाजपा सरकार के इशारे पर यूपी पुलिस ने जबरदर्शती घरों में नजरबंद कर दिया तो कुछ को हिरासत में ले लिया।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे के नेतृत्व में भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरोध में विधानसभा का घेराव करना था। इसी को लेकर नोएडा के सभी कांग्रेसी नेताओं को लखनऊ विधानसभा के घेराव में शामिल होना था। लेकिन पुलिस ने रात से ही नेताओं के घरों पर दबिश मारकर उन्हें नजरबंद कर दिया तो कुछ को हिरासत में ले लिया।

जनपद गौतमबुद्धनगर पुलिस के द्वारा पूर्व महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, (शेष पृष्ठ-3 पर)

फायर पाइप लाइन से नोजल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर-168 स्थित गोल्डन पाम्स सोसाइटी में लगी फायर पाइप लाइन से चोरों ने नोजिल चोरी कर लिए। सोसायटी के सिक्योरिटी ऑफिसर ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सोसाइटी में सिक्योरिटी ऑफिसर के रूप में कार्यरत सत्येंद्र शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 17 दिसंबर को उसने ओ टावर चेक किया। इस दौरान उसे फायर पाइपलाइन में लगे पीतल के नोजल गायब मिले। चोर ने फायर पाइप लाइन से नोजिल काटकर चोरी कर लिए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरा की जांच की जा रही है।

घने के कोहरे के चलते 6 गाड़ियां टकराईं

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दादरी बाईपास पर आज सुबह कोहरे का कहर देखने को मिला। घने कोहरे में कम विजिबिलिटी के कारण आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस दौरान हाईवे पर चीख-पुकार मच गई।

बताया गया कि पहले महिंद्रा मैक्स और कैंटर की टक्कर हुई। इसके बाद पीछे से गाड़ियां टकराती चली गईं। विजिबिलिटी कम होने के कारण कुछ गाड़ियां सड़क किनारे रेलिंग से भी टकरा गईं। बिसाहड़ा फ्लाईओवर से बुलंदशहर की तरफ जाने वाले मार्ग पर यह हादसा हुआ है।

उधर, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसे में लोगों को मामूली चोट आई है। दादरी कोतवाली पुलिस राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। वहीं, हादसे में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ियों को क्रेन की मदद से सड़क से (शेष पृष्ठ-3 पर)

ज्वेलरी दुकान समेत 4 स्थानों पर चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने एक ज्वेलरी शॉप सहित चार स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर लाखों रुपए मूल्य के गहने व अन्य सामान चोरी कर ले गए। थाना दादरी क्षेत्र के पुराना कटहेडा रोड पर स्थित एक ज्वेलरी शॉप से चोरों ने आभूषण व नगदी चोरी कर लिए। इस संबंध में गगन विहार टीचर कॉलोनी में रहने वाले पारस जैन ने मुकदमा दर्ज कराया है। पारस जैन के मुताबिक 17 दिसंबर की रात्रि को चोरों ने उनकी दुकान में चोरी के वारदात को अंजाम दिया। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाल रही है। थाना ईकोटेक 3 क्षेत्र के संजय विहार कुलेसरा में रहने वाले अतुल अवस्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह किसी कार्य से अपने (शेष पृष्ठ-3 पर)

गाली गलौज से मना करने पर घर में घुसकर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घर के बाहर गाली गलौज कर रहे युवकों को टोकना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। दबंग युवकों ने घर में घुसकर परिजनों के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाना जेवर में तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मोहल्ला सल्यान निवासी अरमान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीती शाम उसके घर के पास स्थित किराने की दुकान पर कुछ लड़के खड़े हुए थे। यह लड़के हो हल्ला करने के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। उसने जब

युवकों को गाली-गलौज करने से मना किया तो वह भड़क गए। इसके बाद आसिफ, समीर, सुफियान जबरन उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों आरोपियों ने उसकी मां सकीना, पिता हबीबुर रहमान व उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्रिंट रेट से अधिक वसूलने पर शराब ठेका सेल्समैन पर जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। आबकारी विभाग की टीम ने निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे वसूलने के आरोप में शराब के ठेके के सेल्समैन के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

आबकारी निरीक्षक अभिनय शाही ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने तिगरी में स्थित शराब के ठेके पर गोपनीय तरीके से गौरव पांडे को शराब खरीदने के लिए भेजा। गौरव पांडे ने ठेके से मैकडॉवेल नंबर वन का क्वार्टर खरीदा। ठेके के सेल्समैन ने निर्धारित मूल्य से 10 अधिक ले लिए। इस बारे में जब उससे पूछा गया तो वह कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दे पाया। इसके बाद आबकारी विभाग की टीम ने शराब विक्रेता ज्ञानचंद शर्मा के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया। शराब विक्रेता ने बताया कि उसने अपने निजी फायदे के लिए निर्धारित मूल्य से

अधिक पैसे लिए थे। बता दे कि शराब के ठेकों पर ग्राहकों से सेल्समैन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं। आए दिन इस तरह के मामले प्रकाश में आते रहते हैं। वहीं आबकारी विभाग यदा कदा किसी सेल्समैन के खिलाफ कार्रवाई कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा देता है।

परिणय सूत्र में बंधे 13 वैवाहिक जोड़े

नोएडा (चेतना मंच)। कहते हैं, जोड़ियां स्वर्ग से बनकर आती है और धरती पर विवाह के बंधन में परिवर्तित होती है। यह कहावत मंगलवार को नोएडा में चरितार्थ हुई। जनपद गौतमबुद्धनगर जिले के नोएडा में एक साथ 13 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। नवयुवक मित्र मंडल, नोएडा की अगुवाई में इस सामुहिक विवाह में नोएडा के हजारों लोग गवाह बने।

इस समारोह में पूर्व विधायक व पूर्व महिला अध्यक्षा श्रीमती बिमला बाथम, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली सहित शहर के तमाम गणमान्य लोग शामिल होकर वर-वधुओं को अपनी शुभकामनाएं दी।नव युवक मित्रमंडल, नोएडा के सौजन्य से सेक्टर-19 स्थित बारात घर में आयोजित सामुहिक विवाह कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष विकास अग्रवाल, सचिव दीपक गोयल व सुमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनीष बंसल व चिंकू गुप्ता, रितिक गोयल कमेटी मेम्बर का अथक

प्रयास सराहनीय रहा, जिसके प्रतिफल निर्धन परिवार के 14 जोड़े परिणय सूत्र में बंध सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम 13 दूल्हों को सेक्टर-19 के सनातन धर्म मंदिर से वैधानिक तरीके से सुसज्जित रथ पर सवार कर बैंडबाजों के साथ बारात घर सेक्टर-19 पर पहुंचा, जहां शहर के पहले से मौजूद गणमान्य लोगों द्वारा फूल मालाओं के साथ भव्यता पूर्वक स्वागत किया गया। इसके पश्चात वर-वधुओं ने एक-दूसरे के गले में जयमाला डालकर एक दूजे का साथी होना स्वीकार किया।

नवयुवक मित्र मंडल,नोएडा ने इस मौके पर वर-वधुओं के लिए 84 प्रकार के उपहार की व्यवस्था की थी, जिसमें बेड, आलमारी, कूलर, डिनर सेट, सिलाई मशीन, साड़ी, पैंट-शर्ट, सूटकेश, चूल्हा-सिलेंडर, कुकर-कड़ाही, मंगलसूत्र, पायल, चुटकी, कोका, गद्दा, तकिया, बाल्टी सहित अन्य घरेलू सामान और वधुओं के लिए श्रृंगार के सामान शामिल रहे।

भीड़ अनियंत्रित

आज भीड़-प्रबंधन की बात करते हैं, क्योंकि यह व्यापक स्तर पर इनसानी मौतों से जुड़ा मुद्दा है और उसके प्रति लापरवाही का रवैया रहा है। देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी और नालायकी के कारण भगदड़ मचती रही है। अक्सर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इसी साल नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई। हाल ही में हैदराबाद में 'पुष्पा-2' फिल्म के प्रीमियर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई, कुछ मौतें हो गईं, पुलिस ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। क्या भगदड़ का कारण यही था? दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डर कर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है। 'इनसानी भगदड़' कुछ और है, उसके कारण भी भिन्न हैं, उनके लिए यह बहाना नहीं बनाया जा सकता कि सरकार ने दिशा-निर्देश जारी नहीं किए अथवा पुलिस, प्रशासन को उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया अथवा सरकार का रवैया संवेदनशील नहीं है। फिल्म 'पुष्पा-2' के संदर्भ में वह भगदड़ नहीं थी, बल्कि भीड़ की कुचलन की स्थिति थी, क्योंकि जिनकी मौतें हुई हैं, उनके शरीरों पर पैरों से कुचलने, रौंदने या चोट के निशान नहीं थे। यानी भीड़ इतनी ज्यादा और अनियंत्रित थी कि लोग सांस लेने में असमर्थ रहे, नतीजतन मौतें हुईं। ऐसी कुचलन की स्थितियां भी पैदा नहीं होनी चाहिए। भारत में पहली भगदड़, देश की आजादी के बाद, 1954 के महाकुंभ के दौरान मची थी, जिसमें करीब 800 लोग मारे गए थे। वह पहली राष्ट्रीय त्रासदी थी। 2019 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी को भी चुनावी मुद्दा बनाया और उस कुप्रबंधन के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस को आरोपित किया, जमकर कोसा। भारत के आधुनिक इतिहास में वह अभी तक की सबसे त्रासद भगदड़ थी। आज हमारे पास दिशा-निर्देश हैं, कम्प्यूटर विजन सिस्टम है, जो भीड़ से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के प्रति सचेत करता है, लेकिन सरकारों और पुलिस का रवैया रहा है-'सब चलता है।' राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने खुलासा किया है कि अब भी भगदड़ की नौबत आती रहती है, क्योंकि अधिकतर सरकारों ने दिशा-निर्देश लागू ही नहीं किए हैं। यह बेहद गंभीर लापरवाही है। एक-एक इनसान और नागरिक देश के लिए मूल्यवान है। उन्हें भगदड़ में कुचला या मारा नहीं जा सकता। इस नालायकी और अनदेखी के लिए राज्य सरकारों को दंडित करने का प्रावधान भी होना चाहिए। संसद में उस प्रावधान को पारित किया जाए, ताकि कोई भी सरकार संघीयवाद के हनन का आरोप न लगा सके। भगदड़ की स्थिति से निपटने के लिए 'मॉक ड्रिल' की जाएं और मजबूत, ठोस संस्थानगत प्रणालियां विकसित की जाएं, ताकि पुलिस और प्रशासन के बूते ही न रहना पड़े। 'मॉक ड्रिल' के साथ-साथ बड़ी भीड़ के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) और कम्प्यूटर विजन का इस्तेमाल भी किया जाए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू सुशोभित है। शिवजी बैल पर चढ़कर चले। बाजे बज रहे हैं। शिवजी को देखकर देवांगनाएँ मुस्कुरा रही हैं (और कहती हैं कि) इस वर के योग्य दुलहिन संसार में नहीं मिलेगी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बिष्नु बिरंचि आदि सुरब्राता। चढ़ि चढ़ि बाहन चले बराता॥
सुर समाज सब भाँति अनूपा। नहिं बरात दूलह अनुरूपा॥

विष्णु और ब्रह्मा आदि देवताओं के समूह अपने-अपने वाहनों (सवारियों) पर चढ़कर बारात में चले। देवताओं का समाज सब प्रकार से अनुपम (परम सुंदर) था, पर दूल्हे के योग्य बारात न थी॥

दो0- बिष्नु कहा अस बिहसि तब बोलि सकल दिसिराज।
बिलग बिलग होइ चलहु सब निज निज सहित समाज॥

तब विष्णु भगवान ने सब दिक्पालों को बुलाकर हँसकर ऐसा कहा- सब लोग अपने-अपने दल समेत अलग-अलग होकर चलो॥

बर अनुहारि बरात न भाई। हँसी करैहहु पर पुर जाई॥
बिष्नु बचन सुनि सुर मुसुकाने। निज निज सेन सहित बिलगाने॥

हे भाई! हम लोगों की यह बारात वर के योग्य नहीं है। क्या पराए नगर में जाकर हँसी कराओगे? विष्णु भगवान की बात सुनकर देवता मुस्कुराए और वे अपनी-अपनी सेना सहित अलग हो गए॥ (क्रमशः...)

पीएम म्यूजियम से नेहरू के गायब लेटर्स पर प्रशासनिक कार्रवाई हो, सिर्फ सियासत नहीं!

साहित्य मिजाजी राजनीतिज्ञ और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिगत पत्रों को सार्वजनिक किए जाने यानी प्रधानमंत्री संग्रहालय को पुनः सुपुर्द करने को लेकर जो तल्ख सियासी बयानबाजी शुरू हुई है, उसके आधिकारिक लापरवाही वाले पहलुओं पर भी विचार किया जाना जरूरी है। क्योंकि लगभग 15 वर्ष बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। वहीं, इससे जवाहरलाल के प्रासंगिक सियासी कद का भी पता चलता है।

अब बीजेपी जिस तरह से नेहरू के लेटर्स को पीएम म्यूज़ियम को वापस करने के लिए विदेशी मूल की उनकी मनाती बहू, राज्यसभा सांसद व कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दबाव बढ़ा रही है और केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी बोल रही है कि ये पत्र देश की संपत्ति हैं, के राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। जबकि इसमें प्रशासनिक लापरवाही का पहलू भी समीचीन होना चाहिए। क्योंकि इससे हमेशा नामचीन व जिम्मेदार लोग ही जुड़े रहते हैं।

आपको याद होगा कि आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोग स्वतंत्रता सेनानी नेहरू और उनके वंशजों के राजनीतिक फैसलों और व्यक्तिगत जीवन पर तथ्यात्मक और मनगढ़ंत हमले करके कांग्रेस का बुरा हाल कर चुके हैं और यदि अपेक्षित पत्र भी उसके हाथ लग गए तो उनको सियासी हमले का पुख्ता आधार मिल जाएगा। यही वजह है कि गांधी परिवार ने भावनात्मक भूलों और तत्कालीन मजबूरियों से जुड़े सुबूतों पर कुंडली मारकर बैठने का फैसला किया है, क्योंकि लगभग 6 दशक तक उसने यहां तिकड़मी तौर पर शासन किया है।

हालांकि, उनकी जगह आए समाजवादियों व राष्ट्रवादियों ने भी कुछ वही किया और आज भी कमोबेश कर ही रहे हैं। इससे बहुतेरे कांग्रेसी पाप अब धूल चुके हैं। बता दें कि बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गाधी से कहा कि उन्हें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ओर से कई बड़ी हस्तियों को लिखी गई चिट्ठी को प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम ऐंड लाइब्रेरी (PMML) को लौटा देना चाहिए। क्योंकि ये ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति। इस मामले को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ। बीजेपी की ओर से सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को लोकसभा में यह मुद्दा उठाया।

पात्रा का दावा था कि नेहरू ने ये लेटर्स गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की पत्नी एडविना माउंटबेटन, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण, अरुणा

आसफ अली, गोविंद वल्लभ पंत जैसे नेताओं और साइंटिस्ट अल्बर्ट आइंस्टाइन को लिखा था। बताया जाता है कि पीएमएमएल से जुड़े सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को लेटर लिखकर कांग्रेस के पास मौजूद जवाहरलाल नेहरू के अहम खतों को संग्रहलाय को सौंपे जाने की अपील की थी। यह लेटर 10 दिसंबर को लिखा गया था, जिसमें दस्तावेज लाने में राहुल गांधी से भी मदद मांगी गई।

बताया जाता है कि कांग्रेस की तरफ से अब तक कोई जवाब या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस पर बीजेपी ने सवाल उठाए कि आखिर इन खतों में ऐसा क्या था

जिसे छुपाया जा रहा है। सवाल है कि पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के वे कौन कौन से खत थे और ये किसे लिखे गए थे जिन्हें वापस मांगा जा रहा है और कौन मांग रहा है? यही नहीं, सवाल है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, बाहर कैसे गए और इसके लिए कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई की जाए।

बताया जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, जो अब वहां नहीं हैं। सवाल है कि न तो ये चोरी हुए हैं और न ही रखे-रखे नष्ट हो गए हैं, बल्कि इन्हें साल 2008 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपनी सरकार के रहते मंगवा लिया था। हैरत की बात है कि इन्हें मंगवाने के डेढ़ दशक बाद भी लौटाया नहीं गया। जबकि केंद्र में लगभग 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री संग्रालय का स्वरूप भी बदल दिया है। इसके लिए जिम्मेदार व लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

खबर है कि पहले भी सितंबर 2024 में लेटर लिखकर मांगा गया था और अब एक बार फिर इन्हें देश की धरोहर बताते हुए वापस मांगा जा रहा है। राहुल को लिखे लेटर में यहां तक कहा गया है कि यदि वे ऑरिजिनल नहीं दे सकते तो डिजिटल या फोटोकॉपी ही भिजवा दें। लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद संसद में भी यह मुद्दा उछाल दिया गया। दरअसल जवाहर लाल नेहरू के ये पत्र केवल एडविना माउंटबेटन से ही जुड़े हुए नहीं हैं बल्कि अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम आदि के बीच के संवाद भी इसमें शामिल हैं। इनमें लेडी माउंटबेटन (एडविना माउंटबेटन) को लिखे हुए खत भी हैं।

यही वजह है कि 10 साल बाद जगी मोदी सरकार अब इस मसले पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी को आड़े हाथों ले रही है। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि सोनिया गांधी ने इन खतों को गायब कर दिया है। यह पहली बार नहीं है कि नेहरू के खतों को लेकर बवाल मचा है। पहले भी एडविना माउंटबेटन और नेहरू के बीच हुए पत्राचार पर बीजेपी कांग्रेस को निशाने पर लेती रही है। ऐसे में गांधी परिवार का इन लेटर को मेमोरियल (जो कि अब प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय के नाम से जाना जाता है) से मंगवाना और फिर बार-बार कहने पर भी न लौटाना, संदेह पैदा करता है।

गौरतलब है कि ये वे दस्तावेज हैं जो मेमोरियल को दान किए गए थे। इनमें नेहरू के एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन जैसी हस्तियों के साथ हुए पत्राचार है। पहले ये सारी चिट्ठियां नेहरू मेमोरियल के पास थीं। लेकिन 2008 में सोनिया गांधी ने वहां से 51 डिब्बे (कार्टन) अपना एक प्रतिनिधि भेजकर मंगवाए। लिहाजा, एक बार फिर अब नेहरू मेमोरियल के सदस्य और इतिहासकार रिजवान कादरी ने इन्हें वापस मांगने के लिए लेटर लिखा है। ये लेटर राहुल गांधी को लिखा गया है कि वे नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के वे 51 डिब्बे लौटाएं जो सोनिया गांधी ले गई थीं।

वहीं, भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने तो आरोप लगाए हैं कि नेहरू और माउंट बेटन की वाइफ के बीच जो खत लिखे गए थे, उसे गायब कर दिया है। नेहरू और जय प्रकाश नारायण के बीच जो संवाद हुआ था वो राष्ट्र की सम्पत्ति थी और उन लेटर को वापस किया जाना चाहिए। संबित कहते हैं, 'मुझे इस बात की उत्सुकता है कि नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन को क्या लिखा होगा जिसे सेंसर करने की आवश्यकता थी।

वहीं, इतिहासकार कादरी ने पत्र लिखकर कहा है कि राहुल अपनी माताजी से बात करिए और ये सारे पेपर्स लौटाइए क्योंकि ये राष्ट्र की धरोहर हैं। हर हिन्दुस्तानी को ये अधिकार है कि उनके पहले प्रधानमंत्री किससे क्या बात करते थे और कौन से दस्तावेजों पर साइन कर रहे थे, ये देश को पता होना चाहिए। कादरी ने आगे कहा कि सोनिया गांधी से कोई जवाब नहीं मिलने के बाद ही उन्होंने राहुल गांधी को एक और पत्र लिखा। बता दें कि पीएमएमएल सोसाइटी का कार्यकाल 4 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला था, लेकिन संस्कृति मंत्रालय ने इसे 13 जनवरी 2025 तक दो महीने का विस्तार दिया है। इस मामले का दिलचस्प पहलू यह है कि प्रधानमंत्री संग्रालय के अधिकारियों द्वारा बरती गई इतनी बड़ी लापरवाही की बात कोई नहीं कर रहा है। इससे आशंका पैदा होती है कि संभव है कि इससे भी बड़ी बड़ी लापरवाही हमारे अधिकारियों ने की हो, जिससे राष्ट्रहित का मसौदा देशी-विदेशी लोगों तक पहुंच चुका है। **-कमलेश पांडे**

जाकिर हुसैन के निधन से शून्य हुई तबले की थाप

दुनियाभर में शास्त्रीय संगीत में भारत को अलग पहचान दिलाने वाले उस्ताद और मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन अब हमारे बीच नहीं रहे। 73 साल की उम्र में हुसैन ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आखिरी सांस ली। उनके निधन से भारतीय संगीत की लय थम गई, सुर मौन हो गए, भाव शून्य हो गए। मौसिकी की दुनिया में हुसैन के तबले की थाप एक अलहदा पहचान रखती है, वे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमियों द्वारा संजोई गई एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक बना रहेगा। भारतीय तबले की गौरवशाली परंपरा की सुगंध विश्व भर में प्रसारित करने वाले हुसैन के अनंत में विलीन होने से गहन सन्नाटा छा गया है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं तबला वादन का दुनिया में विशिष्ट स्थान है, क्योंकि यह सत्यं, शिवं और सौन्दर्य की युगपत् उपासना की सिद्ध एवं चमत्कारी अभिव्यक्ति है। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत में क्रांति का शंखनाद किया।

उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को हुआ, जाकिर हुसैन तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के बेटे थे। हुसैन का बचपन मुंबई में ही बीता। 12 साल की उम्र से ही जाकिर हुसैन ने संगीत की दुनिया में अपने तबले की आवाज को बिखेरना शुरू कर दिया था। प्रारंभिक शिक्षा और कॉलेज के बाद हुसैन ने कला के क्षेत्र में अपने आप को स्थापित करना शुरू कर दिया। 1973 में उनका पहला एलबम लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड आया था। उसके बाद तो जैसे जाकिर हुसैन ने ठान लिया कि अपने तबले की आवाज को दुनिया भर में बिखेरेंगे। 1979 से लेकर अब तक जाकिर हुसैन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समारोहों और एलबमों में अपने तबले का दम दिखाते रहे। जाकिर हुसैन भारत में तो बहुत ही प्रसिद्ध थे साथ ही साथ विश्व के विभिन्न हिस्सों में भी समान रूप से लोकप्रिय थे। वे भारतीय संगीत जगत का एक उज्ज्वल नक्षत्र थे। वे पारम्परिक कौशल, रचनात्मकता एवं संवेदनशीलता से युक्त तबला वादन में कल्पनाशील विस्तार, गहन अलौकिकता और अचूक कलात्मक संयम एवं वैभव के लिये विख्यात थे। वे अपनी कला के अकेले महारथि थे। उन्होंने शास्त्रीय संगीत एवं कला को लोकरंजन का साधन बनाने के लिये क्लिष्टता को दूर कर उसे सुगम बनाया। ईश्वर को आलोकपुंज मानते हुए उससे एकाकार होकर अपनी कला को प्रस्तुति देते हुए हुसैन ऐसा प्रतीत कराते थे, मानो उनका ईश्वर से सीधा साक्षात्कार हो रहा है। यही कारण है कि उनके तबले वादन एवं संगीत साधना से रू-ब-रू होने वाले असंख्य लोग उनकी साधना में गौता लगाते हुए मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनका यह स्थान सर्वोपरि रहा है, जिसे अब कोई पूरा नहीं कर सकता। उनके निधन से तबला वादन संसार की एक पाठशाला आज वीरान हो गई।

जाकिर हुसैन यूं तो सम्मान एवं पुरस्कारों से ऊपर थे। फिर भी उन्हें 1988 में जब पद्मश्री का पुरस्कार मिला था तब वह महज 37 वर्ष के थे और इस उम्र में यह पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति भी थे। इसी तरह 2002 में संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण का पुरस्कार दिया गया था। 22 मार्च 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उस्ताद जाकिर हुसैन तबले को हमेशा आम लोगों से जोड़ने की कोशिश करते थे। यही वजह थी कि शास्त्रीय विधा में प्रस्तुतियों के दौरान बीच-बीच में वे अपने तबले से कभी डमरू, कभी शंख तो कभी बारिश की बूंदों जैसी अलग-अलग तरह की ध्वनियां निकालकर सुनाते थे। वे कहते थे कि शिवजी के डमरू से कैलाश पर्वत से जो शब्द निकले थे, वही शब्द लेकर उन्हें ताल की जुबान में बांधा। हम सब तालवादक, तालयोगी या तालसेवक उन्हीं शब्दों को अपने वाद्य पर बजाते हैं। गणेशजी इन सबके कुलदेव हैं। उस्ताद जाकिर हुसैन की शख्सियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने महज 11 साल की उम्र में अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया। यानी तकरीबन 62 साल तक उनका और तबले का साथ नहीं छूटा। उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे महान तबला वादकों में माना जाता है।

जब तबले का जिक्र आता है तो सबसे बड़े नामों में उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उन्होंने न सिर्फ अपने पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खां की पंजाब घराने (पंजाब बाज) की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि तबले के शास्त्रीय वादन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ले गए। उस्ताद को संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा ग्रैमी अवॉर्ड 1992 में 'द प्लेनेट ड्रम' और 2009 में 'ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट' के लिए मिला। इसके बाद 2024 में

उन्हें तीन अलग-अलग संगीत एलबमों के लिए एकसाथ तीन ग्रैमी मिले। 1978 में जाकिर हुसैन ने कथक नृत्यांगना एंटोनिया मिनीकोला से शादी की थी। उनकी दो बेटियां हैं, अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी। अनीसा ने यूसीएलए से स्नातक किया है और वह एक फिल्म निर्माता हैं। 1983 में जाकिर हुसैन ने फिल्म 'हीट एंड डस्ट' से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा। इसके बाद 1988 में 'द परफेक्ट मर्डर', 1992 में 'मिस बैटीज चिल्डर्स' और 1998 में 'साज' फिल्म में भी उन्होंने अभिनय किया।

हुसैन का तबला वादन का सृजन एवं संगीत मनोरंजन एवं व्यावसायिकता के साथ आध्यात्मिकता एवं सृजनात्मकता का आभामंडल निर्मित करने वाला है। उनके भारतीय शास्त्रीय संगीत की साधना एवं तबला वादन का उद्देश्य आत्माभिव्यक्ति, प्रशंसा या किसी को प्रभावित करना नहीं, अपितु स्वान्तः सुखाय, पर-कल्याण एवं ईश्वर भक्ति की भावना है। इसी कारण उनका शास्त्रीय संगीत, एवं तबला वादन स्वरों की साधना सीमा को लांघकर असीम की ओर गति करती हुई दृष्टिगोचर होती है। उनका उनका तबला वादन हृदयग्राही एवं प्रेरक है क्योंकि वह सहज एवं हर इंसान को आत्ममुग्ध करने, झकझोरने एवं आनन्द-विभोर करने में सक्षम है। भगवान शिव की जीवंतता को साकार करने वाला यह महान् कलाकार सदियों तक अपनी शास्त्रीय-संगीत साधना एवं तबला वादन के बल पर हिन्दुस्तान की जनता पर अपनी अमिट छाप कायम रखेगा। 90 के दशक में ताजमहल चाय के 'वाह ताज' विज्ञापन ने उन्हें हर घर में पहचान दिलाई। इस विज्ञापन में चाय की चुस्की लेते हुए उनकी तबला जुगलबंदी के दौरान बोली गई वाह ताज ने ताजमहल चाय को आम लोगों में फेमस कर दिया था।

जाकिर हुसैन के तबला वादन की तासीर ही है कि उन्हें सुनते एवं देखते हुए कोई शख्स तनावों की भीड़ में शांति महसूस करता तो किसी के अशांत मन के लिये वह समाधि का नाद होता है। उनका संगीत एवं तबला वादन चंचल चित्त के लिये एकाग्रता की प्रेरणा होता तो संघर्ष के क्षणों में संतुलन का उपदेश। वह एक दिव्य एवं विलक्षण चेतना थी जो स्वयं संगीत एवं तबला वादन में जागृत रहती और असंख्य श्रोताओं के भीतर ज्योति जलाने का प्रयास करती। हर जगह यह बेजोड़ तबला वादक शास्त्रीयता की राह पर चलते हुए भक्ति का एक लोकपथ सृजित करता था, धरती से ब्रह्माण्ड तक, संगीतप्रेमियों से वैज्ञानिकों तक, राजनीतिज्ञों से साधकों तक सबकी नजरें इस अलौकिक एवं विलक्षण तबला वादक पर लगी रहती थी। आधुनिक संदर्भों में शास्त्रीय तबला के मूर्धन्य एवं सिद्ध उपासकों की कड़ी में जाकिर हुसैन का देवलोकगमन होना एक महान संगीत एवं तबला परंपरा में गहरी रिक्तता एवं एक बड़े खालीपन का सबब है। भले ही मृत्यु उन्हें छिपा ले और महत्तर मौन उन्हें घेर ले, फिर भी उनके स्वर, तबला वादन एवं संगीत का नाद इस धरती को सुकोमलता का अहसास कराता रहेगा।

- **ललित गर्ग** (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

राशिफल

कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
गृह कलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी के योग बनेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोज-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन आगमन बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। निवेश मत करिए और जुबान पर काबू रखिए तभी अच्छा होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार की स्थिति बहुत अच्छी। पहले से बेहतर समझिए।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार ठीक रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावनाओं में आकर कोई निर्णय मत लीजिएगा। शत्रुओं पर दबदबा आपका कायम रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भावुक मन से लिया गया निर्णय नुकसान करेगा। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। प्रेम, संतान मध्यम है।

किसानों के साथ डीएम व पुलिस कमिश्नर ने की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 19 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा तथा भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत द्वारा 23 दिसंबर को सिसौली से कोई बड़ा आंदोलन का ऐलान करने की घोषणा के बाद जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने संयुक्त किसान मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। यह बैठक दोनों पक्षों के लिए सार्थक रही।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संयुक्त किसान मोर्चा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मनीष वर्मा से सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता हुई। लगभग तीन घंटे तक चली वार्ता में प्रशासन की ओर से एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे व ओएसडी यमुना प्राधिकरण शैलेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता करते हुए कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि जेल में बंद किसानों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक-दो दिन में सभी किसान जेल से बाहर आ जायेंगे। आंदोलन के दौरान किसानों की जब्त गाड़ियां व ट्रैक्टरों को भी तुरंत प्रभाव से छोड़ने का आदेश दिया गया है।

इस दौरान पुलिस कमिश्नर एवं डीएम ने संयुक्त किसान मोर्चा को भरोसा दिलाया कि बहुत जल्दी ही किसानों की मांगों दस प्रतिशत प्लॉट एवं 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने को लेकर शासन स्तर पर बातचीत आरंभ करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि बातचीत के द्वारा ही उक्त समस्याओं का हल निकाला जाएगा। आज की वार्ता बहुत ही शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई।

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष मुकुल गोयल ने बताया कि ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन की नयी कार्यकारिणी गठन कर दिया गया है। पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 दिसंबर 2024 को समाप्त हो रहा था जिसमें नई कार्यकारिणी बनायी जानी थी

15 दिसंबर को नामांकन व 17 दिसंबर को चुनाव होना था। नये कार्यकाल में अध्यक्ष पद के लिए रवि दत्त शर्मा व नवनीत गुप्ता , सचिव पद के लिए अतुल जैन,शैलेंद्र सिंघल ,मुकेश गोयल व कोषाध्यक्ष के लिए शिव शर्मा द्वारा नामांकन किया गया।

नवगीत गुप्ता द्वारा अध्यक्ष पद ओर अतुल जैन व मुकेश गोयल द्वारा सचिव पद से नामांकन वापस ले लिया गया। जिसके बाद सर्वसहमति से रवि दत्त शर्मा को अध्यक्ष, शैलेन्द्र सिंघल को सचिव व शिव शर्मा को कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुना गया गया। नयी कार्यकारिणी द्वारा अस्वाशन दिया गया की समस्त टीम द्वारा व्यापारियों के हित में कार्य और जो भी समस्या हे उनका समाधान किया जायेगा। एसोसिएशन के सभी सदस्यों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल माला व अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर बजरंग गोयल, मनोज गर्ग, अरुण गुप्ता, मुकुल गोयल, ढोला राम, पवन शर्मा, डी के गर्ग, राजेंद्र सिंघल, मुकेश गोयल, ओमप्रकाश अग्रवाल, विकास गर्ग, कुलदीप शर्मा, सुरेंद्र कुमार, गौरव गर्ग, सरदार मनजीत सिंह, हरेंद्र भाटी, विनोद गुप्ता, डीपी गोयल, मनोज कुमार, मनीष मित्तल, मनोज सिंघल, रवींद्र गर्ग, संजीव मांगलिक, रवि गर्ग विजेंद्र बंसल, अभिषेक मित्तल, रामअवतार गुप्ता, शोभित अग्रवाल, आशीष गर्ग, सुरेश गर्ग, सर्वेश मावी, पवन शर्मा, कुलदीप कुमार, राजीव नागर, अभिनव जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा। कांग्रेस सेवा दल के पूर्व जिला अध्यक्ष वसील अहमद को लखनऊ विधानसभा का घेराव करने जाते हुए आज उनके घर पर पुलिस ने हॉउस अरेस्ट कर दिया।

गांजा तस्कर दबोचा 7 .9 किलो गांजा बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने गांजा सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर के पास से 7 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गस्त पर थी। इस दौरान आमका चौराहे पर पुलिस टीम को देखकर एक युवक सकपका कर तेज कदमों से जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त युवक को रुकने के लिए आवाज दी। इसके बाद वह भाग निकला। पुलिस टीम ने युवक को दौड़ा कर दबोच लिया और उसके बैग की तलाशी ली। तलाशी में बैग से 7 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए युवक ने अपना नाम रामबाबू पुत्र अनूप लाल निवासी बिहार बताया। रामबाबू ने बताया कि वह हाल में रेलवे रोड कस्बा दादरी में रह रहा है। उसने बताया कि वह गाजियाबाद के लाल कुआं से यह गांजा लेकर आया था। वह पिछले काफी समय से गांजा की बिक्री मेंसन लिप्त है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है।

हिंदू युवा वाहिनी ने एडीसीपी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिंदू युवा वाहिनी के संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर दिल्ली में रह रहे रौहिया बांग्लादेशी द्वारा अभद्र भाषा व हिंदू धार्मिक भावनाओं को भड़काने को लेकर हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष चैनपाल प्रधान ने आज एडिशनल डीसीपी हैड क्वाटर को एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर केडी गुर्जर, अवनीश, कुलदीप शर्मा, बृजनंदन पंडित, सागर बैसला, सतीश बैसला आदि थे।

विभाजन संधि को रद्द कर पुनः अखंड भारतवर्ष घोषित करें : आचार्य पंकज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर सनातन रक्षा वाहिनी ने व्रत (अनशन) का आयोजन किया। जिसमें राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन देकर प्रमुख मांगें रखी गयी। भारत वर्ष को सनातन राष्ट्र घोषित किया जाये।

बांग्लादेश में सनातनी हिंदुओं के साथ जो बर्बरता, हिंसा और अपमान हो रहा है तत्काल बंद हो इसके लिए अभिलम्ब गंभीर कदम उठाये जाएं। सनातन धर्म बोर्ड एवं सनातन धर्म संरक्षण आयोग गठन किया जायें। सनातन हिंदू संस्कृति के सभी ऐतिहासिक एवं धार्मिक विवादित स्थलों को अति शीघ्र भारत सरकार अपने नियंत्रण में लें एवं सुरक्षा प्रदान करें। देश के प्रत्येक जिलों में 100 एकड़ गौ चर भूमि सुनिश्चित हो, जिनसे जीवन, संस्कृति व प्रकृति संरक्षित होती रहें। राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था, राष्ट्र की संस्कृति, सुरक्षा व हरियाली सहित विकास के प्रति जिम्मेवार हो। इसलिए संपूर्ण राष्ट्र में नि:शुल्क समान शिक्षा व समान स्वास्थ्य प्रणाली लागू किया जायें। भारतवर्ष को सनातन राष्ट्र (सनातन हिन्दू राष्ट्र) घोषित किया जाए। राष्ट्र के सभी राज्यों के प्रमुख स्थल पर धर्म ध्वज की स्थापना हो। जो राष्ट्रीय अनुशासन व प्रतिबद्धता का द्योतक हो, प्रकृति संरक्षण, प्रकृति वंदन व अभेद्य लोकतांत्रिक व्यवस्था की मार्गदर्शिका महापर्व छठ व्रत को राष्ट्रीय महापर्व घोषित किया जायें।

सनातन रक्षा वाहिनी के मुख्य संयोजक आचार्य पंकज अथर्व ने कहा बांग्लादेश में सनातनी हिंदूओं के साथ जो बर्बरता, हिंसा और अपमान हो रहा है तत्काल बंद हो इसके लिए अभिलम्ब गंभीर कदम उठाये। 1947 भारत बंटवारा संधि भंग करें पुन: अखंड भारत घोषित करें। भारतवर्ष सनातन राष्ट्र है, राजनीति रूप से कोई मज़हब, रिलीजन को मानता हैं।

इस मौके परआर्य शेषम, अमित सिंह, पवन ठाकुर, आशीष, अंकित, अवनीश, रवि, वरुण पांडे, सुनील,आभा जैन, राधा, प्रशांता वर्मा, अभिषेक झा, नीरज सिंह, जया, सुमन ओझा, शैलजा, सरोज, रविन्द्र, मीनु, राकेश त्रिपाठी, श्रेयाचार्य व आदिति एवं संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादोंपर प्रतिबंध के विपरीत परिणाम : वंदना भारती

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के प्रमुख बिजनेस-स्कूलों में से एक, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (BIMTECH), नोएडा और शैलेश जे मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (SJMSOM), IIT बॉम्बे ने एक्सचेंज ट्रेडेड कमोबिटीज (ETCDs) पर फ्यूचर डेरिवेटिव

कॉन्ट्रैक्ट्स के निलंबन के प्रभाव की जांच करने के लिए दो अलग-अलग अध्ययन किए हैं। BIMTECH रिपोर्ट कमोडिटी डेरिवेटिव पर रोक का अंडरलाइंड कोमोडेटिव बाजार का असर में जनवरी 2016 से अप्रैल 2024 बीच सरसों बीज, सोयाबीन, सोया तेल, सरसों तेल और पाम ऑयल का अध्ययन किया गया। यह रिपोर्ट बताता है कि मंडी में इन वस्तुओं के भाव एक जैसे नहीं रहते है। इस अध्ययन के बारे में टिप्पणी करते हुए बिमटेक से डॉ. प्रवीना राजीव और डाक्टर रुचि अरोड़ा और IIT खड़गपुर से डाक्टर परमा बराई और वंदना भारती ने पत्रकारों से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि साल 2021 में सेबी ने सात कृषि कमोडिटी/कमोडिटी समूहों में डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर रोक लगा दी। इसे 2003 में कमोडिटी एक्सचेंजों के आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक संस्करण के अस्तित्व में आने के बाद से भारतीय कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार पर अब तक का सबसे बड़ा प्रतिबंध कहा जा सकता है। हालांकि निलंबन के लिए कोई विशेष कारण नहीं बताया गया, लेकिन ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि चढ़ते भावों पर अंकुश लगाने के लिए रोक लगाई गई थी क्योंकि डर था कि डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग से कीमतें बढ़ रही हैं। इस संदर्भ में भारत के दो प्रतिष्ठित संस्थानों ने कमोडिटी डेरिवेटिव के निलंबन का कमोडिटी इकोसिस्टम पर प्रभाव का मूल्यांकन करते हुए एक व्यापक अध्ययन किया।

पृष्ठ एक के शेष....

दिल्ली-एनसीआर में...

विजिबिलिटी सुबह 5.30 बजे 150 मीटर से घटकर सुबह 6.30 बजे 50 मीटर रह गई। पालम में सुबह 5 बजे से मध्यम कोहरा दर्ज किया गया, जिसमें सुबह 6.30 बजे विजिबिलिटी 300 मीटर तक गिर गई।

आईएमडी के वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा, पालम की तुलना में सफदरजंग में अपेक्षाकृत शांत हवाएं चल रही हैं, जो सफदरजंग में कम विजिबिलिटी का कारण बन सकता है। 19 और 20 जनवरी को सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया रहने की संभावना है, जबकि दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। न्यूनतम तापमान में भी इजाफा देखा गया, बुधवार को न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस समय के लिए सामान्य से एक डिग्री कम है और मंगलवार के 5.9 डिग्री सेल्सियस से 1.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

कांग्रेस के कई नेता...

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव लियाकत चौधरी, युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जावेद खान को नजरबंद कर दिया। वहीं कइयों को घर पर दबिश दी ताकि वे लखनऊ न जा सकें। ऐसे नेताओं में वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा, महासचिव यतेन्द्र शर्मा, दयाशंकर पांडे, रामकुमार शर्मा, विक्रम चौधरी आदि नेता शामिल थे।

रामकुमार तंवर ने बताया कि जब मैं अपने साथियों के साथ घर से निकल रहे थे तभी भारी संख्या में पुलिस ने आकर उनको अपने घर पर घेर लिया और जैसे ही वह गाड़ी की तरफ चले भारी फोर्स ने धक्का-मुक्की कर उन्हें और उनके साथियों को जाने से रोक लिया। पुलिस उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रही थी मानो वे बहुत बड़े ईनामी बदमाश हों या आतंकवादी हों। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या है और संविधान को खत्म करने का भाजपा सरकार द्वारा प्रयास है।

घने के कोहरे के...

हटाया जा रहा है। जिससे कि और गाड़ियां उसमें ना टकरा सके। अभी भी विजिबिलिटी कम बनी हुई है। इस वजह से पुलिस मौके पर मौजूद है। यातायात पुलिस संचालन सुचारू करवाने में जुटी हुई है।

गाली गलौज से...

मारपीट के दौरान तीनों आरोपी भद्दी भद्दी गालियां दे रहे थे। इस दौरान आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। उसे व परिजनों को घायल करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियो की तलाश की जा रही है।

ज्वेलरी दुकान समेत...

परिवार सहित 14 दिसंबर को मैनपुरी गए थे। 15 दिसंबर की शाम को उसके पड़ोसी ने फोन कर बताया कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ है। यह जानकारी मिलने के बाद वह तुरंत नोएडा पहुंचे। घर पहुंचने पर उन्हें ताला टूटा हुआ वह सामान बिखरा हुआ मिला।चोर उनके घर से सोने के दो हार, 6 अंगूठी, मंगलसूत्र, सोने की चेन, मकान के कागजात व 12400 रुपए चोरी कर ले गए थे।

इसी थाना क्षेत्र के उद्योग केंद्र दो में स्थित केपी इंडस्ट्रीज का ताला तोड़कर चोरों ने इनवर्टर की बैटरी, लैपटॉप व अन्य सामान चोरी कर लिया। कमला प्रसाद यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 13 दिसंबर की सुबह जब वह अपनी कंपनी पहुंचे तो उन्हें मुख्य द्वार पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। भीतर जाने पर पता चला कि चोर फैक्ट्री से इनवर्टर की बैटरी, लैपटॉप व अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना फेस 3 क्षेत्र के सेक्टर 71 स्थित जागृति अपार्टमेंट में रहने वाली राखी यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर नगदी व गहने चोरी कर लिए हैं। राखी यादव के पड़ोस में रहने वाले स्वदेश कुमार अवस्थी के घर से भी सोने की चेन चोरी कर ली। पुलिस ने सभी घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

Name Change

I. Santosh W/o Sh. Roshanlal, R/o Kacheda, Warsabad, Kachheda, Warsabad, G. B. Nagar, U.P) 203207, That my father's Name is Wrongly Mentioned in my PNB MetLife India Insurence company Ltd (Policy No. 23152616) I.e. Kuldeep Kumar, while my father's true and correct Name is Mentioned in my PAN Card (PAN CARD No. GMBPS5990A) i.e. Jaggu Singh Kasana. That this is to certify that Kuldeep Kumar & Jaggu Singh Kasana are one and Same person.

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

भारत, न्यूजीलैंड ने व्यापार बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार के बढ़ावे की दिशा में समझौते पर हुई चर्चा में दोनों देशों की मंत्रियों ने व्यापार और निवेश समेत अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के विचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस चर्चा में सहयोग और व्यापार के अवसरों को बढ़ावा देने की चर्चा की गई। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2023-24 में 87.34 करोड़ डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में कम था। समझौते को लेकर 2013 से बातचीत रुकी हुई थी, लेकिन इस चर्चा से उम्मीद है कि दोनों देश व्यापार समझौते को फिर से सकारात्मक दिशा में ले जाएंगे।

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

पटना। बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने का ऐलान किया। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। 35 इकाइयों के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बोर्ड में शामिल उद्योग सचिव और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सरकार ने राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं। हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक और उद्यमी पंचायत का आयोजन किया गया।

आराध्या डिस्पोजल ने आईपीओ के जरिए धन जुटाने की बनाई योजना

नई दिल्ली। आराध्या डिस्पोजल इंडस्ट्रीज ने उच्च गुणवत्ता वाले पर्यावरण अनुकूल कागज उत्पादों की विनिर्माण में अपनी विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की योजना बनाई है। इसका दाखिला 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 36.96 लाख शेयर के साथ किया गया है। आईपीओ दस्तावेज के मुताबिक कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) इमर्ज के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस धन का उपयोग कार्यशील पूंजी, कंपनी के विस्तार और अन्य कार्यों के लिए किया जाएगा। 20 करोड़ रुपये का भाग कार्यशील पूंजी में जाएगा, 16.56 करोड़ रुपये का विस्तार के लिए रखा जाएगा

गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी शुरू

मुंबई। देश के उद्योगपति गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू हो चुकी है। जीत अडानी की सगाई इस साल मार्च में सूरत के हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी दीवा शाह से हुई थी। अब उनकी प्री-वेडिंग फंक्शन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। उदयपुर के तीन शानदार और फाइव-स्टार होटल - ताज लेक पैलेस, लीला पैलेस, और उदय विलास पैलेस - बुक किए गए हैं जिसमें करीब 300 से अधिक मेहमान शामिल होंगे। अडानी परिवार अपनी प्राइवेट लाइफ को मीडिया और सोशल मीडिया से दूर रखता है, इसलिए इस आयोजन की ज्यादा तस्वीरें और डिटेल सामने नहीं आई हैं। अडानी परिवार के इस शादी के आयोजन का खर्च भी हैरान कर रहा है।

इतिहास के सबसे बड़े घाटे की ओर बढ़ रहा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका की इतनी बड़ी इकॉनमी के बारे में एक चिंताजनक समाचार सामने आ रहा है। देश के राजकोषीय घाटे की तेजी से बढ़ती हुई रकम देश के भविष्य की चिंता बढ़ा रही है। फिस्कल ईयर के पहले दो महीनों में ही यह घाटा 624 अरब डॉलर पहुंच चुका है, जो पिछले साल की तुलना में 64 फीसदी अधिक है। अमेरिका की फेडरल सरकार द्वारा किए गए खर्चों की रकम बढ़ती जा रही है, जबकि उसका टैक्स रेवेन्यू कम हो रहा है। नवंबर में सरकार ने 669 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि रेवेन्यू कलेक्शन 380 अरब डॉलर रहा। इससे साफ है कि देश का कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। फेडरल सरकार के पास घरेलू और बाहरी कर्ज की बड़ी रकम है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रल्हाद जोशी

- देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अप्रैल-नवंबर में दोगुनी होकर 15 गीगावाट हुई
- 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है
- ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लांच किया
- व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं। इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लॉन्च किया। ये व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

ठंड के दस्तक देने के साथ ही बाजारों में गीजर, हीटर और ब्लोअर की मांग बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। ठंड के दस्तक देने के साथ ही बाजारों में गीजर, हीटर और ब्लोअर की मांग बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि इस साल इनकी कीमतों में करीब 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। खासतौर पर 15 लीटर का गीजर की सबसे ज्यादा डिमांड है। हालांकि, हीटर की बिक्री अभी धीमी है लेकिन ठंड बढ़ने पर इसमें उछाल हो सकता है। दिल्ली के बाजारों में वर्तमान में गीजर के तीन वैरायटी 15, 25 और 35 लीटर की बिक्री हो रही है। इस बार मार्केट में आधुनिक फीचर के साथ गीजर आए हैं। इसकारण दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। व्यापारियों के मुताबिक, 6 हजार से लेकर 15 हजार के रेट में गीजर बिक रहे हैं। दिल्ली के अलावा एनसीआर से भी गीजर की डिमांड बढ़ी है। इलेक्ट्रीक बाजार के दुकानदार के अनुसार, फिलहाल गीजर की मांग ज्यादा है, लेकिन हीटर की बिक्री भी बढ़ने लगी है। बाजार में मुख्य रूप से दो प्रकार के हीटर उपलब्ध हैं, जिसमें ऑयल हीटर की मांग अधिक है। ऑयल हीटर सामान्य इलेक्ट्रिक हीटर से थोड़ा महंगा जरूर होता है लेकिन इसके कई फायदे ग्राहकों की पसंद बना रहे हैं। ऑयल हीटर हीटिंग ऑयल के जरिए गर्मी उत्पन्न करते हैं। इसमें करंट से ऑयल गर्म होता है और धीरे-धीरे पूरे कमरे में गर्मी फैलती है। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये कमरे को लंबे समय तक गर्म रखते हैं और हवा को शुष्क नहीं बनाते। इससे स्किन को भी किसी तरह का नुकसान नहीं होता, जो सर्दियों में एक आम समस्या है। इनकी कीमत लगभग 1200 रुपए है। इसके अलावा अन्य प्रकार के हीटर भी बाजार में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 200 रुपए से शुरू होकर 1500 रुपए तक जाती है।

मरम्मत लागत की पूरी वसूली कर पाने में डीएमआरसी नाकाम : कैग रिपोर्ट

- करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका

एजेंसी

नई दिल्ली। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के मरम्मत लागत एवं अन्य आकस्मिक खर्चों पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा हुआ कि करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका। इसमें नाकामी के खिलाफ चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार डीएमआरसी ने अनुरूप निर्माण गुणवत्ता और अवधि की खामियों को दूर करने के लिए ठेकेदार से 11.85 करोड़ रुपये की मरम्मत की कार्यवाही करवाई। इसके अलावा आवंटियों को वैकल्पिक आवास में स्थानांतरित कराने और कई अन्य खर्चों के कारण 7.81 करोड़ रुपये की अतिरिक्त खर्च उठाए गए हैं। कुल मिलाकर डीएमआरसी ने विभिन्न कारणों से 19.66 करोड़ रुपये का खर्च किया, जो कैग के मुताबिक काम की खराब गुणवत्ता की भरपाई के लिए है। वहाँ पर कारयान्वयन से जुड़ी सुलह प्रक्रिया में भी किसी के साथ ठीक से समझौता नहीं किया गया है, जिससे कलेक्ट किए गए 4.12 करोड़ रुपये में से केवल एक भाग ही वसूल पाया गया। कैग की रिपोर्ट ने डीएमआरसी को मरम्मत कार्य में पाए गए खामियों की जांच करने की सलाह दी है और भविष्य में इस तरह की गलतियों को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई की आवश्यकता को जताया है।

ग्रीनपैनल का शेयर ब्रोकरेज फर्म नुवामा के रडार पर

मुंबई। प्लाईबोर्ड वूड और लेमिनेट्स बनाने वाली कंपनी ग्रीनपैनल इंडस्ट्रीज का शेयर ब्रोकरेज फर्म नुवामा के रडार पर आ गया है। नुवामा ने स्टॉक पर खरीदारी की सलाह दी है। साथ ही अगले 12 महीने के नजरिए से 453 रुपये प्रति शेयर टारगेट प्राइस रखा है। सोमवार को यह स्टॉक 394 पर सेटल हुआ था। इस तरह यह शेयर मौजूदा भाव से अगले एक साल में करीब 15 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। अगर यह स्टॉक ब्रोकरेज के तय टारगेट को छूता है, तो यह अपने अब तक के 450 रुपए के बाजार के उच्च स्तर को पार कर नया ऑलटाइम हाई बना लेगा।

आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर आयकर विभाग ने चलाया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए अभियान चलाया है। आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर टैक्सपेयर्स और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा जा रहा है।आयकर विभाग ये एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेज रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में लेनदेन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में रिपोर्ट की गई आय और लेन-देन तथा आयकर रिटर्न में इनकम और लेन-देन के बीच अंतर को हल करने में करदाताओं की सहायता के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसके जरिए उन व्यक्तियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनकी कर योग्य इनकम या महत्वपूर्ण उच्च-मूल्य लेन-देन उनके एआईएस में रिपोर्ट किए गए हैं।

तेनाली की टोली का हिस्सा बनने के लिए है तैयार युवा कलाकार

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब का शो तेनाली रामा रात 8 बजे से हास्य और बुद्धिमत्ता की नई कहानिया तैयार है। चार युवा प्रतिभाशाली - पद्मावती, लच्छम्मा, बाल भद्र और वाचस्पति के साथ तेनाली युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते नजर आते है। श्रेया पटेल और त्रिशान को दो प्रतिभाशाली भाई-बहनों, पद्मावती और वाचस्पति की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। जो अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। तेनाली रामा में पद्मावती की भूमिका निभा रहीं श्रेया पटेल ने कहा, पद्मावती एक बहुत ही बढ़िया किरदार है। मुझे बहुत पसंद है कि वह कितनी आत्मविश्वासी और चतुर है। तेनाली रामा में वाचस्पति की भूमिका निभा रहे त्रिशान ने कहा, वाचस्पति बुद्धिमान और दयालु हैं। वह ऐसी बातें करता है जो आपको बहुत सोचने पर मजबूर कर देता है।

236 शहरों में उपलब्ध हुई प्रि-ओन्ड

एजेंसी

रांची। मिड-साईज (250सीसी-750सीसी) मोटरसाईकल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने आज अपने प्रि-ओन्ड मोटरसाईकल बिजनेस, रिओन का विस्तार किया। अब भारत के 236 शहरों में ग्राहक और रॉयल एनफील्ड बाईक प्रेमी अपनी पुरानी मोटरसाईकल को बेचकर नई रॉयल एनफील्ड बाईक आसानी से खरीद सकेंगे। 2023 में भारत के कुछ शहरों में पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने और बेचने के लिए रॉयल एनफील्ड का एक पारदर्शी प्लेटफॉर्म, रिओन पेश किया गया था। अब भारत के 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 236 शहरों में 475 रॉयल एनफील्ड डीलरशिप्स पर रिओन की सुविधा उपलब्ध है। यह भरोसेमंद और प्योर मोटरसाईक्लिंग अनुभव पेश करने वाली मोटरसाईकल प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। रॉयल एनफील्ड ने इस नेटवर्क विस्तार के अलावा एक्सचेंज बेनेफिट्स के साथ पहला लॉयल्टी प्रोग्राम भी पेश किया है। इस प्रोग्राम द्वारा ग्राहक अपनी पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल को रिओन के आरई-टू-आरई एक्सचेंज के माध्यम से नई मोटरसाईकल से बदल सकते हैं। रिओन के विस्तार के बारे में यादविंदर सिंह गुलेरिया, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, रॉयल एनफील्ड ने कहा, रॉयल एनफील्ड में हम निरंतर इनोवेट कर रहे हैं ताकि रॉयल एनफील्ड का मालिक बनने की खुशी ज्यादा से ज्यादा राईडिंग प्रेमियों को मिल सके। कुछ ही शहरों से शुरू होकर केवल एक साल में 236 शहरों तक रिओन का विस्तार ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने का आसान अनुभव प्रदान करने का हमारा वादा प्रदर्शित करता है, फिर चाहे वो अपनी पहली मोटरसाईकल खरीद रहे हों या फिर पुरानी मोटरसाईकल को अपग्रेड कर रहे हों।

ताइवान की लैपटॉप कंपनी चेन्नई संयंत्र के साथ भारत में विनिर्माण करेगी शुरू

नई दिल्ली। ताइवान की लैपटॉप विनिमार्ता कंपनी एमएसआई भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू कर रही है। इसके अनुसार एमएसआई भारत में अपनी दो लैपटॉप मॉडल एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के स्थानीय रूप से विनिर्मित संस्करण पेश करेगी। इन लैपटॉप की कीमत क्रमशः 73,990 रुपये और 52,990 रुपये से शुरू होगी। एमएसआई ने अपने बयान में कहा कि भारत एमएसआई के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और ब्रांड अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की मांग बढ़ रही है और इसलिए उन्होंने वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले स्थानीय रूप से विनिर्मित उपकरणों की पेशकश करने का निर्णय लिया है।

कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग कल खुलेगा

एजेंसी

मुंबई। कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड (सीईएसएल या कंपनी), गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 को इक्विटी शेयरों के अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के संबंध में बोली/प्रस्ताव अवधि खोलेगा। एंकर निवेशक बिड/ऑफर अवधि बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को खुलेगी और बंद होगी। बिड/ऑफर अवधि सोमवार, 23 दिसंबर, 2024 को बंद होगी। (बोली विवरण) प्रस्ताव का प्राइस बैंड 665 से 701 प्रति इक्विटी शेयर (प्राइस बैंड) तय किया गया है। बोलियां न्यूनतम 21 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती हैं। (बोली लॉट)। कंपनी शुद्ध आय का उपयोग (ं) अपने पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, कॉनकॉर्ड एनवायरो एफजेडई (सीईएफ) में निवेश के लिए करने का प्रस्ताव करती है, ताकि पानी, अपशिष्ट जल और संबंधित मेंबरंस मॉड्यूल के उपचार के लिए सिस्टम और संयंत्रों को इकट्ठा करने के लिए एक असेंबली इकाई विकसित करने के लिहाज से ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए अपनी पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के लिए फंड जुटाया जा सके, जिसका अनुमान 250 मिलियन [25.00 करोड़] है; अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, रोचेम सेपरेशन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (आरएसएसपीएल) में विनिर्माण सुविधाओं, भंडारण और सहायक गतिविधियों का विस्तार करने के लिए ब्राउन फील्ड परियोजना के लिए अपनी पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को फाइनेंस करने के लिए निवेश, जिसका अनुमान 105.05 मिलियन [10.50 करोड़] है।

बीएन समूह खाद्य तेल कारोबार बढ़ाने अफ्रीका में करेगा निवेश

नई दिल्ली। खाद्य तेल बनाने वाले बीएन समूह ने अफ्रीका में निवेश करने की घोषणा की है। इस निवेश का आकार है एक अरब अमेरिकी डॉलर, जो करीब 8,000 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी के मुख्य लक्ष्य है अगले पांच साल में चरणबद्ध तरीके से अफ्रीकी बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाना। बीएन समूह का यह निर्णय उसकी संयुक्त उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए है और तीन नई विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और ताड़ के बागानों में निवेश में आधारित है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्तार की यह योजना उनके विश्वसनीय व्यापारिक मिशन का हिस्सा है, जो अफ्रीकी बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके मूल्य-संचालित व्यवसायों को मजबूती देगा।

फलों व सब्जियों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में पिछले 10 वर्षों में फलों और सब्जियों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है। 2024 में फलों की उपलब्धता में 7 किलोग्राम और सब्जियों की उपलब्धता में 12 किलोग्राम का इजाफा हुआ है। यह दावा किया गया है भारतीय स्टेट बैंक की ताजा रिपोर्ट में। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 227 किलोग्राम फल और सब्जियां उगाई जाती हैं, जबकि प्रति व्यक्ति की आवश्यकतानुसार 146 किलोग्राम का उत्पादन पर्याप्त है। इसका मतलब यह है कि भारत में फलों और सब्जियों का उत्पादन आवश्यकता से कहीं अधिक हो रहा है। कुछ राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में उत्पादन में गिरावट भी देखी गई है। हालांकि, इस बढ़ोतरी के बावजूद, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 30 से 35 प्रतिशत फल और सब्जियां जल्दी खराब होने वाली होती हैं, और कटाई, भंडारण, परिवहन तथा पैकेजिंग के दौरान भी इनका एक हिस्सा नष्ट हो जाता है, जिससे खपत प्रभावित होती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार, हाल के वर्षों में मौसम की खराब स्थितियां जैसे गर्मी और शीतलहर ने कृषि उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। उदाहरण के लिए, गेहूं की फसल पर 1 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने से 3-4 प्रतिशत पैदावार में कमी हो सकती है।

टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

- लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर टॉस द कॉइन और लोअर सर्किट पर जंगल कैंप्स

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरूआत की। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इनमें से टॉस द कॉइन के शेयर खरीददारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण गिरावट का शिकार होकर लोअर सर्किट पर पहुंच गए। मार्केटिंग कंसल्टिंग फर्म टॉस द कॉइन के शेयर की आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 182 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज कंपनी के शेयर 345.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से टॉस द कॉइन के शेयर उछल कर 363.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया है। टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने के कारण ये ओवरऑल 1,025.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था?। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 964.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,550.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी माइक्रो सर्विसेज एप्लीकेशंस को डेवलप करने, नए ऑफिस खोलने, वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। आज ही वाइल्डलाइफ कैंप्स, होटल, गेस्ट हाउस, होलीडे होम्स, हेल्थ क्लब, कैटरिंग हाउस और रेस्टोरेंट्स को ऑपरेट करने वाली कंपनी जंगल कैंप्स इंडिया के शेयरों ने भी जोरदार लिस्टिंग के साथ शेयर बाजार में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ कंपनी के शेयर 136.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए।

हिलिओस का विस्तार, बिष्टुपुर में लॉन्च किया पांचवां स्टोर

एजेंसी

जमशेदपुर। भारत का प्रमुख प्रीमियम मल्टी-ब्रांड वॉच रिटेल चेन टाइटन कंपनी लिमिटेड के प्रीमियम वॉच स्टोर हिलिओस ने बिष्टुपुर में अपना पांचवां स्टोर लॉन्च किया। पूर्वी क्षेत्र में यह 39वां स्टोर है, जो झारखंड में कंपनी के विस्तार का महत्वपूर्ण कदम है। 1000 वर्गफीट में फैले इस स्टोर का उद्घाटन पूर्वी क्षेत्र के रीजनल बिजनेस हेड सोमप्रभ सिंह ने किया। इस अवसर पर झारखंड के आरबीएम उपल सेनगुप्ता और एबीएम विशाल गुप्ता भी उपस्थित रहे। यह नया स्टोर विश्व स्तरीय वॉच ब्रांड्स जैसे टाइटन, मोवाडो, सिटिजन, विक्टोरीनॉक्स, अरमानी एक्सचेंज, केसिओ, जी-शॉक, फॉसिल, टॉमी, स्वरॉस्की आदि का बेहतरीन कलेक्शन उपलब्ध कराएगा। ग्राहकों को क्लासिक, फैशनेबल और स्पोर्ट्स वॉच की विस्तृत रेंज यहां मिलेगी। रीजनल बिजनेस हेड सोमप्रभ सिंह ने कहा, 'बिष्टुपुर में पांचवें स्टोर का लॉन्च हमारे उपभोक्ताओं के समर्थन और भरोसे का परिणाम है। हमारा उद्देश्य उन्हें अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स की बेहतरीन घड़ियां और खरीदारी का शानदार अनुभव देना है हिलिओस ने देशभर में अपने विस्तार को जारी रखते हुए उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम वॉच कलेक्शन और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

ब्रिसबेन टेस्ट : भारत ने 9 विकेट पर बनाए 252 रन

- केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी

ब्रिसबेन। गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत ने आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह के बीच आखिरी विकेट के लिए हुए 39 रनों की नाबाद साझेदारी की बदौलत फॉलोआन का खतरा टाल दिया है। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। आकाशदीप 27 और जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 193 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। इसके बाद पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। 44 के कुल स्कोर पर पंत (09) को पैट कमिंस ने अपना शिकार बनाया। कप्तान रोहित शर्मा का खराब फॉर्म जारी रहा और वे 74 के कुल स्कोर पर केवल 10 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकर बने। जडेजा के आउट होने के बाद भारत को फॉलोआन बचाने के लिए 33 रनों की जरूरत थी और आकाशदीप और बुमराह की आखिरी जोड़ी मैदान पर थी। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी को देखते हुए लग रहा था कि भारत का फॉलोआन खेलना तय है, लेकिन इस आखिरी भारतीय जोड़ी के मन में कुछ और ही चल रहा था, बुमराह ने आते ही पैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर अपने इरादे जता दिये, दूसरे छोर से आकाशदीप ने भी संभलकर खेलना शुरू किया। इन दोनों ने मिलकर न सिर्फ भारत को फॉलोआन से बचाया, बल्कि अपना विकेट भी बचाए रखा। फॉलोआन बचाने के बाद आकाशदीप ने पैट कमिंस की गेंद पर एक लंबा छक्का भी जडा, जिससे ड्रेसिंग रुम में बैठे विराट कोहली खुशी से उछल पड़े। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। बुमराह और आकाशदीप ने दसवें विकेट के लिए अब तक 39 रन जोड़ लिये हैं। आकाशदीप 27 और बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने 1-1 विकेट लिया।

जडेजा और केएल राहुल ने संभाली भारत की पारी

यहां से रवींद्र जडेजा और केएल राहुल ने मिलकर छठे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 140 के पार पहुंचाया। 141 के कुल स्कोर पर केएल राहुल को नाथन लियोन ने पवेलियन भेजा। राहुल ने 139 गेदों पर 8 चौकों की बदौलत 84 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

जडेजा-रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए की 53 रनों की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए 53 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर भारत का स्कोर 200 के करीब पहुंचाया, हालांकि पैट कमिंस ने 194 के कुल स्कोर पर नीतीश को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। नीतीश ने 61 गेंदों का सामना किया और 16 रन बनाए। 201 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज (01) को स्टॉर्क ने आउट कर भारत को आठवां झटका दिया। 213 के कुल स्कोर पर जडेजा 77 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद पैट कमिंस का शिकार बने।

खास खबर

रिंकू बने यूपी टीम के कप्तान

मुम्बई । आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह अब कप्तानी करते नजर आयेंगे। रिंकू विजय हजारे ट्रॉफी में यूपी टीम की कप्तानी करेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से शुरू होगी। इसके लिए 19 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ ने 19 सदस्यीय टीम के अलावा 4 खिलाड़ी स्टैंड बाई के रूप में चुने हैं जबकि 5 नेट बॉलर रखे हैं। रिंकू की कप्तानी में विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अपना पहला मुकाबला 21 दिसंबर को जम्मू कश्मीर टीम से खेलेगा। रिंकू ने हाल में हुए सैयद मुश्ताक अली टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों में 277 रन बनाए थे। रिंकू ने इस ट्रॉफी के 9 मैचों की 8 पारियों में 69.25 की औसत से रन जुटाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 152.19 रहा। रिंकू ने इस दौरान एक अर्धशतक भी लगाया। टूनार्मेंट में उनका सबसे बेहतर स्कोर 70 रन रहा। रिंकू ने पूरे टूनार्मेंट में कुल 24 चौके और 14 छक्के लगाये। टीम इस प्रकार है: रिंकू सिंह (कप्तान) भुवनेश्वर कुमार, माधव कौशिक, करन शर्मा, प्रियम गर्ग, नितीश राणा, अभिषेक गोस्वामी, अक्षदीप नाथ, आर्यन जुयाल, आराध्य यादव, विपराज निगम, मोहसिन खान, शिवम मावी, आकिब खान, अटल बिहारी राय, कार्तिकेय जायसवाल, विनीत पंवार।

पूर्व टेनिस खिलाड़ी यूजिनी की आंख पर लगी गेंद

मांट्रियल। कनाडा की पूर्व टेनिस खिलाड़ी यूजिनी बूचार्ड को पिकलबॉल प्रशिक्षण सत्र के दौरान आंख में गेंद लग गयी जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद यूजिनी आंखों पर पट्टी बांधे दिखीं। कनाडाई मूल की यूजिनी को पिकलबॉल का अभ्यास करने के दौरान ही प्लास्टिक की एक गेंद आंख पर लग गई थी। यूजिनी ने प्रशंसकों को अपनी चोट की जानकारी भी दी है। बुचार्ड ने लिखा, प्रशिक्षण के दौरान पिकलबॉल से मेरी आंख में चोट लग गई। हालांकि इसके कुछ ही दिनों में ठीक हो जाने की उम्मीद है। इससे मेरी आंख की कॉर्निया में हल्की खरोंच आ गई है पर राहत की बात ये रहीं कि अधिक नुकसान नहीं हुआ। बूचार्ड की एक जुड़वा बहन बीट्राइस भी है हालांकि दोनों बहनों में रिश्ते अच्छे नहीं हैं। उनके हमारे माता-पिता का काफी पहले तलाक हो गया था और वह अपनी मां के साथ ही रहती हैं।

31 की उम्र में अंकित राजपूत ने लिया संन्यास

मुम्बई । आईपीएल नीलामी में नहीं बिके तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने खेल से संन्यास ले लिया है। केवल 31 साल की उम्र में इस क्रिकेटर के संन्यास लेने से सभी हैरान हैं। अंकित ने उत्तर प्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने के साथ ही कई आईपीएल टीमों से भी खेला है। अंकित ने 2012-13 के रणजी सीजन में यूपी के लिए प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया और अपने रेड-बॉल करियर में 248 विकेट लिए हैं। इस क्रिकेटर ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 24 विकेट लिए हैं। उन्हें आईपीएल 2020 के बाद खेलने का अवसर नहीं मिला था।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में 423 रन से हराया

एजेंसी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 423 रनों की बड़ी सफलता के साथ अपने दिग्गज खिलाड़ी टिम साउथी को जीत के साथ विदाई दी। न्यूजीलैंड ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 347 रन बनाए, जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 143 रनों पर सिमट गई। पहली पारी के आधार पर न्यूजीलैंड को 204 रनों की बढ़त मिली। इसके बाद न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 453 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 657 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। 657 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम ने तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन केवल 18 रन पर दो विकेट खो दिये थे। चौथे दिन की शुरूआत इंग्लैंड ने 18/2 पर अपनी पारी फिर से शुरू की। जैकब बेथेल और जो रूट ने बाउंड्री लगाई और तेजी से रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। 122 के कुल स्कोर पर सेंटनर ने रूट को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। रूट ने 54 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। 133 के कुल स्कोर पर हैरी ब्रुक (01) को विलियम ओ रुर्के ने पवेलियन भेजा। 166 के स्कोर पर टिम साउथी ने जैकब बेथेल की बेहतरीन पारी का अंत किये। बेथेल ने 76 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद इंग्लैंड के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे और पूरी टीम 234 रनों पर सिमट गई और न्यूजीलैंड ने 423 रनों से मैच अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने सर्वाधिक 4 विकेट लिये। मैट हेनरी और टिम साउथी ने 2-2 व विलियम ओ रुर्के ने 1 विकेट लिया।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स आज से

एजेंसी

बेंगलुरु । पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बराकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरूआत इंटर-जोनल टीम स्पधाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैम्पियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बाई टूनार्मेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं।

वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

फेनेल डबल हैट्रिक लेकर मलिंगा और राशिद के क्लब में शामिल

एजेंसी

ब्यूनर्स आयर्स । क्रिकेट की पहुंच अब अर्जेंटीना तक हो गयी है जबकि यहां का पसंदीदा खेल फुटबॉल है। इसका अंदाजा सी से लगाया जा सकता है कि अर्जेंटीना के एक गेंदबाज हर्नान फेनेल ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप सब रीजनल अमेरिकी क्वालीफायर मुकाबले में डबल हैट्रिक लेकर धूम बचा दी है। फेनेल ने केमैन आइलैंड्स के खिलाफ ये डबल हैट्रिक ली है। इसके साथा ही फेनेल ने श्रीलंका के दिग्गज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और अफगानिस्तान के राशिद खान की बराबरी की है। डबल हैट्रिक का अर्थ लगातार गेंदों पर 3 से अधिक या 4 विकेट देना है। फेनेल ने केमैन आइलैंड्स की पारी के अंतिम ओवर में ये कारनामा किया। उन्होंने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर ट्रॉय टेलर को आउट करके मैच में दूसरा, जबकि हैट्रिक का पहला विकेट लिया। इसके बाद अगली तीन गेंदों पर एलिस्टेयर इफिल, रोनाल्ड ईबैंक्स और एलेसेंड्रो मॉरिस को आउट किया। इस तरह से उन्होंने मैच में 14 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। फेनेल अपनी डबल हैट्रिक के बाद भी अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम केवल 94 रनों पर ही ही सिमट गई और केमैन आइलैंड्स ने मैच 22 रन से जीत लिया।

रोहन फिर बने डीडीसीए अध्यक्ष

नई दिल्ली। रोहन जेटली एक बार फिर दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष बने हैं। रोहन ने पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद को हराकर लगातार तीसरे बार डीडीसीए अध्यक्ष का पद हासिल किया है। 35 वर्ष के रोहन को चुनावों में 1577 वोट मिले जबकि आजाद को उनसे आधे 777 वोट ही मिले हैं। कुल मिलाकर 2413 वोट डाले गए थे जबकि जीत के लिए 1207 वोट की जरुरत थी। रोहन इससे पहले साल 2020 में भी निर्विरोध अध्यक्ष बने थे क्योंकि उस समय रजत शर्मा ने बीच में ही पद छोड़ दिया था। एक साल बाद उन्होंने एडवोकेट विकास सिंह को चुनावों में हराया। रोहन के पिता दिवंगत अरूण जेटली 14 साल तक डीडीसीए अध्यक्ष रहे थे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट

मिमशाद और इरशाद बने चैंपियन

एजेंसी

रांची । मॉर्निंग ग्रुप के तत्वाधान में खेले जा रहे मौलाना अबुल कलाम आजाद बैडमिंटन टूनार्मेंट का फाइनल जीत मिमशाद और इरशाद की जोड़ी बनी चैंपियन । पिछले साल के उप विजेता डॉ शीरान अली और उनके जोड़ीदार असजद खान ने शानदार शुरूआत करते हुए लगातार बढ़त बनाए रखी दूसरी तरफ मिमशाद और इरशाद की जोड़ी अपनी ऊर्जा बचाए रखा पहला सेट गंवाने के बाद मिमशाद और इरशाद की जोड़ी दूसरे संघर्ष पूर्ण सेट में वापसी करते हुए मैच को तीसरे सेट में पहुंचा दिया जबकि डॉ शीरान और असजद की जोड़ी दूसरे सेट में ही मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की लेकिन एक चूक मैच को तीसरे और निर्णायक सेट में पहुंचा दिया तीसरे सेट के मैच शुरू होते ही मिमशाद और इरशाद की जोड़ी बढ़त बनाना शुरू किया जबकि डॉ शीरान और असजद की जोड़ी भी मैच में वापसी करने की पूरी कोशिश की लेकिन युवा जोश के आगे डॉ शीरान और असजद की एक न चली और तीसरा सेट मिमशाद और इरशाद ने जीत कर ट्रॉफी अपने नाम किया,इसके पूर्व आज पहले तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए मैच में सुशांत देव और परवेज खान की जोड़ी ने अतीक अहमद कुस्सु और पार्टनर यूनुस खान को सीधे दो सीटें में हरा कर तीसरा स्थान हासिल किया इस मौके पर आज के मुख्य अतिथि सरफराज अहमद ने विजेता जोड़ी को ट्रॉफी देकर उनका हौसला बढ़ाया वहीं विशिष्ट अतिथि शाह उमैर,मो आफताब,अनवर खान,पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता,समाज सेवी सह मॉर्निंग ग्रुप के सरपरस्त विजय साहू,मुख्य सरपरस्त मोहम्मद हलीमुदीन, अध्यक्ष अकिल उर रहमान ने तमाम खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर उनका हौसला बढ़ाया जबकि मुख्य रेफरी हसन सैफी प्रिंस ने अपने सहयोगी , निशात अनवर,नन्हू भाई,कफील खान के साथ सफलतापूर्वक मैच करवाया, टूनार्मेंट को सफल बनाने में टूनार्मेंट कमिटी के कन्वेनर नेहाल अहमद, मुस्तकीम आलम, इकबाल अंसारी, कैसर खान और सचिव एजाज आलम योगदान रहा।

तेंदुलकर की पारी से सीखे विराट : गावस्कर

एजेंसी

ब्रिसबेन। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को साल 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल गयी सचिन तेंदुलकर की 241 रन की पारी से सीखन चाहिये। गावस्कर ने कहा कि उससे विराट को पता चलेगा कि ऑफ स्टंप के बाहर जाती हुई गेंदों को किस प्रकार से खेला जाता है। इस प्रकार की गेंदों पर उन्हें कवर ड्राइव लगाने से बचना चाहियेरें। तीसर टेस्ट में कोहली एक बार फिर जोश हेजलवुड की गेंद खेलने में असफल रहे और तीन रन ही बना पाये। गावस्कर ने कहा कि सचिन ने एससीजी में 33 चौकों की मदद से 436 गेंद पर 241 रनों की असाधारण पारी खेली थी जबकि वह भी 2003-04 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान विकेट के पीछे कैच आउट होने की समस्या से जूझ रहे थे। तेंदुलकर की उस पारी को उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक माना जाता है क्योंकि उन्होंने 10 घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी की और ड्राइव करने की अपनी आदत पर लगाम लगाई और अपने अधिकतर रन ऑन साइड पर बनाए। गावस्कर ने कहा, ह्यइसलिए कोहली को सचिन को देखने की जरूरत है जिस तरह से उन्होंने अपने ऑफ साइड के खेल पर अपना धैर्य और नियंत्रण बनाए रखा और सिडनी में 241 रन बनाए। उन्होंने ऑफ साइड या कम से कम कवर में कोई शॉट नहीं खेला क्योंकि इससे पहले वे कवर में खेलने की कोशिश करते हुए आउट हो रहे थे। उन्होंने जो शॉट खेले वे काफी हद तक सीधे या ऑन साइड पर थे। गावस्कर ने कहा कि इस दौरे पर तीन बार विकेट के पीछे कैच आउट हुए कोहली को ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर रक्षात्मक होकर खेलने और तेंदुलकर की तरह अन्य क्षेत्रों में रन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

टिम साउथी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और इंग्लैंड के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने मंगलवार को अपने 16 साल के टेस्ट करियर का अंत करने वाले तेज गेंदबाज टिम साउथी के लंबे करियर की प्रशंसा की। साउथी ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद लाल गेंद के प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा पहले ही कर दी थी। अनुभवी दाएं हाथ के गेंदबाज ने अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया, क्योंकि न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को सिर्फ 234 रनों पर आउट कर तीसरे टेस्ट में 423 रनों की विशाल जीत हासिल की। साउथी के लिए यह एक पूर्ण-चक्र वाला क्षण था, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने इंग्लैंड के ही खिलाफ इस प्रारूप में अपना पहला मैच खेला था। मैकुलम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) द्वारा उनके सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, ह्लटिम, मेरे अच्छे दोस्तों में से एक है, वास्तव में बहुत करीबी दोस्त है। वह उन लोगों में से एक है जिसके साथ आप समय बिताना पसंद करते हैं। आप उसे कभी भी किसी भी स्थिति से बाहर नहीं कर सकते। वह बस अपना सिर नीचे रखता है और कड़ी मेहनत करता है और इसलिए सफलता उसके पास आती है। सांख्यिकीय रूप से उसका प्रदर्शन किसी भी अन्य खिलाड़ी जितना ही अच्छा है, लेकिन मुझे लगता है कि महान खिलाड़ियों की पहचान लंबे समय तक खेलना है, उस लंबे समय तक बने रहना है और उसने ऐसा किया है। साउथी ने इंग्लैड की दूसरी पारी में दो विकेट चटकाए और 107 टेस्ट मैचों में 391 विकेटों के साथ अपना करियर समाप्त किया।

आईसीसी वनडे और टी20 रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची स्मृति मंधाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टाइलिश ओपनर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला वनडे और टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंच गई हैं। मंधाना वनडे रैकिंग में तीन पायदान ऊपर दूसरे और पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद टी20आई रैंकिंग में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वनडे रैकिंग में दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वाड्ट और टी-20 में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर हैं। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के अंतिम मैच में 105 और मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई सीरीज के पहले मैच में 54 रन बनाए, जो नवीनतम रैंकिंग अपडेट का मुख्य आकर्षण है, जिसमें पोटचेफस्ट्रूम में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच अंतिम वनडे में प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा गया है। वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड की ओपनर टैमी ब्यूमोंट दो पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जिन्होंने नाबाद 65 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज 2-1 से जीती थी, और भारत की हरलीन देओल नौ पायदान ऊपर 64वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की तीन खिलाड़ियों ने अपनी टीम की 3-0 की जीत के बाद उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है।

एश्ले गार्डनर पर्थ में 50 रन बनाकर एक स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं, ताहलिया मैकग्राथ नाबाद 56 रन बनाकर 32वें स्थान से 24वें स्थान पर पहुंच गई हैं और एनाबेल सदरलैंड मैच जीतने वाली 110 रन की पारी के बाद 15 स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गार्डनर 30 रन देकर पांच विकेट लेकर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑलराउंडरों की सूची में चौथे स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। सदरलैंड गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल हैं। इस सूची में ऊपर आने वाले अन्य खिलाड़ियों में दक्षिण अफ्रीका की मारिजान कैप शामिल हैं, जिन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट लिया और दो पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गईं। इंग्लैंड की तिकड़ी चार्ली डीन (दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर), नैट साइवर ब्रंट (एक स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर) और लॉरेन बेल (चार स्थान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में बढ़त हासिल की है।

भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 26 रन देकर चार विकेट लेने के बाद 48 पायदान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि रेणुका ठाकुर 28वें स्थान से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 रैंकिंग में कप्तान हरमनप्रीत कौर शीर्ष 10 में हैं और जेमिमा रोड्रिग्स 73 रन की शानदार पारी के बाद छह पायदान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं और तीतास साधु 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

वेस्टइंडीज के लिए हरफनमौला खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन अर्धशतक के बाद 21 पायदान ऊपर चढ़कर 59वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि कियाना जोसेफ (बल्लेबाजों में 22 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर) और करिश्मा रामहरैक (गेंदबाजों में छह पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के रविन्द्र जडेजा तीसरे टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद उत्साहित होते हुए।

सर्दियों में वेजिटेरियंस के लिए बेस्ट सूप, सेहत और गर्माहट का बेहतरीन मेल

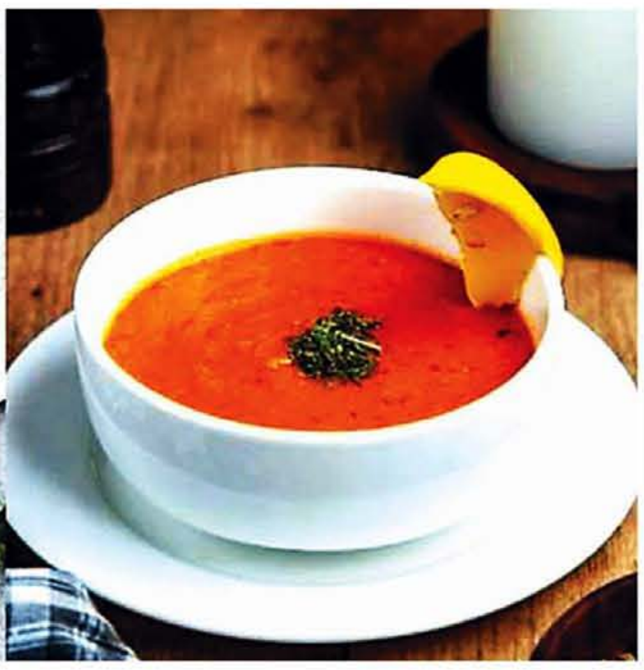

सर्दियों के मौसम में सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है। ठंड के कारण लोग जल्दी बीमार पड़ जाते हैं, और इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखना एक चुनौती बन जाती है। ऐसे में हेल्दी सूप एक शानदार विकल्प हो सकता है। नॉनवेज खाने वालों के पास सूप के कई विकल्प होते हैं, लेकिन वेजिटेरियन के पास थोड़े कम। आज हम आपको सर्दियों में वेजिटेरियन के लिए कुछ खास और हेल्दी सूप के बारे में बताएंगे जो सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हैं।

टमाटर का सूप : इम्यूनिटी बूस्टर

टमाटर का सूप विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो सर्दी-जुकाम से बचाने में मदद करता है। इसे गर्म-गर्म परोसने पर गले में खराश और बंद नाक से राहत मिलती है। टमाटर को उबालकर पीस लें, उसमें लहसुन, अदरक, और हल्का मक्खन डालें। स्वाद बढ़ाने के लिए काली मिर्च और नमक का उपयोग करें।

गोल्डन चने का सूप

चने का सूप प्रोटीन से भरपूर होता है और शरीर को ऊर्जा देता है। हल्दी के साथ बनने वाला यह सूप एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है। उबले हुए चनों को मसालों के साथ पकाएं। इसमें हल्दी, जीरा और धनिया पाउडर मिलाएं। इसे मिक्सर में हल्का ब्लेंड करें और गरम-गरम परोसें।

भुना हुआ बटरनट स्क्वैश सूप

यह सूप विटामिन ए और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसका क्रीमी स्वाद बच्चों और बड़ों को बेहद पसंद आता है। बटरनट स्क्वैश को भूनकर उसमें अदरक, लहसुन, और क्रीम मिलाएं। इसे ब्लेंड कर लें और गार्निश के लिए थाइम का इस्तेमाल करें।

गरम मसाला के साथ दाल का सूप

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह सूप सर्दियों में शरीर को गर्माहट प्रदान करता है। गरम मसालों के साथ इसका स्वाद बढ़ जाता है। दाल को प्रेशर कुकर में पकाएं, उसमें गरम मसाला, अदरक और लहसुन का तड़का लगाएं। इसे गरमा-गरम रोटी या ब्रेड के साथ परोसें।

मोरक्कन दाल और क्विनोआ सूप

यह सूप क्विनोआ और मसूर दाल के गुणों से भरपूर है। इसमें मसालेदार स्वाद के साथ भरपूर पोषण होता है। दाल और क्विनोआ को मसालों के साथ पकाएं। ऊपर से धनिया पत्ती और नींबू का रस डालें।

सर्दियों में सूप के फायदे

इम्यूनिटी बूस्ट करता है : सूप में मौजूद विटामिन और मिनरल्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

गले और नाक की समस्या : गर्म सूप भाप के रूप में गले की खराश और बंद नाक से राहत देता है।

ऊर्जा प्रदान करता है : सूप जल्दी पचता है और शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है।

हाइड्रेशन : सूप शरीर में तरल पदार्थों की कमी को पूरा करता है।

सर्दियों में बीमारियों से बचने और शरीर को गर्माहट देने के लिए रोजाना एक हेल्दी सूप का सेवन करना बेहद फायदेमंद है। ऊपर बताए गए सूप न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि वे स्वादिष्ट भी हैं। इस सर्दी, इन सूप्स को अपनी डाइट में शामिल करें और सेहतमंद रहें।

भूलकर भी दूसरों के घर से न लेकर आएं ये तीन चीजें, हंसता-खेलता परिवार हो जाएगा बर्बाद

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लाई जाने वाली वस्तुएं व्यक्ति की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए टूट-फूट, पुराने या अजनबी सामान से बचना चाहिए। सही वस्तुएं घर में लाकर जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं।

ज्योतिष और शास्त्रों में बताई गई बातों से जीवन में आ रही समस्याओं को हल किया जा सकता है। इन शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति के आसपास की वस्तुएं उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति पर प्रभाव डालती हैं। ऐसे में किसी के घर से कुछ खास चीजें लाना न केवल आपके जीवन को प्रभावित कर सकता है, बल्कि यह नकारात्मक ऊर्जा का कारण भी बन सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लाई जाने वाली वस्तुएं व्यक्ति की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं। जब किसी वस्तु का मालिक बदलता है, तो उसकी ऊर्जा भी बदल जाती है। यह व्यक्ति के जीवन में समस्याएं पैदा कर सकती है। विशेष रूप से उन वस्तुओं को कभी भी न लें, जो नकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होती हैं।

उदाहरण के तौर पर टूट-फूट वाली चीजें, पुराने बर्तन और अजनबी या टूटे-फटे सामान से बचना चाहिए। इन्हें घर में लाकर आप अपनी जीवनशैली में समस्याओं को बढ़ावा दे सकते हैं। इसलिए, अगर आप किसी के घर से कोई सामान ले रहे हैं तो यह तय करें कि वह

सकारात्मक ऊर्जा से भरा हो और किसी तरह से नकारात्मक प्रभाव न डाले।

चप्पल

किसी रिश्तेदार के यहां जाते समय यह ध्यान रखें कि उसकी चप्पल न पहनें। वास्तु शास्त्र के अनुसार नकारात्मक ऊर्जा सबसे पहले पैरों से ही निकलती है। ऐसे में जब हम दूसरों की चप्पल पहनते हैं, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा आपके अंदर प्रवेश कर सकती है।

छाता

दूसरों का छाता कभी उपयोग कर घर नहीं लाना चाहिए। यह आपके ग्रहों की स्थिति को बिगाड़ सकता है। आप अगर भूलकर दूसरों का छाता घर लेकर आ गए हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि छाता घर के अंदर न लेकर आएं। इसका उपयोग कर वापस कर देना चाहिए।

फर्नीचर

किसी के घर पर रखा हुआ फर्नीचर अपने यहां नहीं लाना चाहिए। यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है, जिसके वास्तु दोष का खतरा बढ़ जाता है। ऐसा करने से आपके परिवार की खुशियां छिन जाएंगी और आप बर्बादी के कगार तक पहुंच सकते हैं।

ज्यादा गेहूं खाने से हो सकते हैं ये 7 नुकसान, कैसे रखें अपनी सेहत का ध्यान

गेहूं और गेहूं का आटा हमारे भोजन का एक मुख्य हिस्सा है, जिसे रोजाना इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन ज्यादा गेहूं का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हाल के वर्षों में, गेहूं एलर्जी एक सामान्य समस्या बनकर उभरी है। गेहूं में मौजूद ग्लूटेन कई लोगों के लिए पाचन और त्वचा संबंधी परेशानियों का कारण बनता है। यह लेख आपको बताएगा कि ज्यादा गेहूं खाने से कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं और इसे कैसे नियंत्रित किया जाए।

पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा गेहूं का आटा खाने से पेट में गैस, सूजन, डायरिया, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। फाइबर की अधिक मात्रा पाचन तंत्र को ओवरलोड कर सकती है, जिससे यह सुचारू रूप से काम नहीं कर पाता। लंबे समय तक ऐसी समस्या रहने पर यह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (ढ्ढक्चस्) का कारण भी बन सकता है। क्या करें?अपनी डाइट में ग्लूटेन-फ्री अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, और मक्का को शामिल करें। पेट साफ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। धीरे-धीरे फाइबर की मात्रा को बैलेंस करें।

त्वचा संबंधी समस्याएं

गेहूं के ज्यादा सेवन से स्किन पर दाने, खुजली, लाल चकत्ते, सूजन, और एक्जिमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह गेहूं में मौजूद प्रोटीन या ग्लूटेन के कारण हो सकता है। लंबे समय तक ऐसी समस्याएं स्किन के नेचुरल बैरियर को कमजोर कर सकती हैं। स्किन एलर्जी होने पर तुरंत एलर्जी टेस्ट कराएं। त्वचा को ठंडे पानी से धोएं और एंटी-एलर्जिक क्रीम का इस्तेमाल करें। डर्मेटोलॉजिस्ट से नियमित परामर्श लें। तैलीय और मसालेदार खाने से बचें, क्योंकि यह समस्या को बढ़ा सकता है।

सांस लेने में दिक्कत

गेहूं की एलर्जी से नाक बंद होना, बार-बार छींक आना, घरघराहट, और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं। यह तब भी हो सकता है जब गेहूं का आटा हवा में फैले और सांस के जरिए शरीर में जाए। लंबे समय तक ऐसी समस्याएं अस्थमा का कारण बन सकती हैं। गेहूं के आटे को संभालते समय मास्क पहनें। घर में नियमित रूप से सफाई करें और ह्यूमिडिटी को नियंत्रित रखें। ऐसी समस्या होने पर तुरंत एलर्जी विशेषज्ञ से संपर्क करें। सांस की तकलीफ को रोकने के लिए योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

ब्रेन फॉग और थकान

ज्यादा गेहूं का सेवन थकावट, सुस्ती, ध्यान केंद्रित न कर पाना, और मानसिक स्पष्टता में कमी का कारण बन सकता है। यह लक्षण ग्लूटेन-सेंसिटिविटी या गेहूं एलर्जी से जुड़े हो सकते हैं। लंबे समय तक ब्रेन फॉग की स्थिति डिप्रेशन या एंग्जायटी का कारण बन सकती है। अपनी डाइट में ग्लूटेन-फ्री डाइट को अपनाएं। मस्तिष्क को एक्टिव रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फूड्स खाएं। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की गहरी नींद लें। ध्यान और मेडिटेशन का अभ्यास करें।

सिरदर्द और माइग्रेन

गेहूं में मौजूद ग्लूटेन कुछ लोगों में सिरदर्द और माइग्रेन का कारण बनता है। खासतौर पर ज्यादा गेहूं खाने से ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जो न्यूरो समस्याओं को बढ़ा सकता है। नियमित रूप से हाइड्रेटेड रहें और प्रोसेस्ड फूड्स से बचें। माइग्रेन की समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। सिरदर्द को रोकने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और तनाव कम करें। आहार में मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें।

गले में सूजन और खुजली

गेहूं खाने के बाद गले में सूजन, खुजली, या झुनझुनी महसूस होना गेहूं एलर्जी का संकेत हो सकता है। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहने पर ओरल एलर्जी सिंड्रोम का कारण बन सकती है। तुरंत गेहूं और उससे बनी चीजों का सेवन बंद करें। गले की सूजन कम करने के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें। डॉक्टर से संपर्क करें और एलर्जी टेस्ट कराएं। अपने आहार में पौष्टिक और एलर्जी-मुक्त फूड्स शामिल करें।

व्यवहार में बदलाव

गेहूं एलर्जी से कुछ लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, भावनात्मक अस्थिरता, और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर महिलाओं में यह हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है। तनाव कम करने के लिए योग और ध्यान को अपनाएं।अपने आहार में बाजरा, ज्वार और रागी जैसे पौष्टिक विकल्प शामिल करें। नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लें। सकारात्मक सोच को बनाए रखने के लिए फैमिली और फ्रेंड्स के साथ समय बिताएं।

क्या करें अगर आपको गेहूं से एलर्जी हो?

एलर्जी की पहचान करें : अगर आपको ऊपर बताए गए लक्षण महसूस होते हैं, तो डॉक्टर से एलर्जी टेस्ट करवाएं।

डाइट में बदलाव करें : गेहूं को डाइट से हटाएं और उसके विकल्प चुनें जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का आदि।

पोषक आहार लें : गेहूं छोड़ने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, इसलिए अधिक फल, सब्जियां, और नट्स खाएं।

प्लानिंग करें : बिना सोचे-समझे आहार न बदलें। न्यूट्रीशनिस्ट से परामर्श लें ताकि आपकी डाइट संतुलित रहे।

गेहूं हमारे भोजन का मुख्य हिस्सा है, लेकिन इसका ज्यादा सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। एलर्जी के लक्षणों को पहचानना और सही कदम उठाना बेहद जरूरी है। संतुलित डाइट और सही विकल्प अपनाकर आप स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

खतरे की घंटी है

गाढ़ा खून, पतला करने के बेस्ट देसी नुस्खे

आपने बहुत से लोगों के मुंह से कहते सुना होगा कि उनका खून गाढ़ा है। यह एक ऐसी समस्या है जो अपने साथ एक नहीं, कई हैल्थ प्रॉब्लम्स लेकर आती है। खून गाढ़ा होगा तो शरीर में सही तरीके से ब्लड सर्कुलेशन नहीं होगा। खून के थक्के बनने शुरू हो जाएंगे और थक्का बनने से स्ट्रोक की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हार्ट अटैक ब्रेन क्लॉट जैसी कई दिक्कतें हो सकती हैं इसलिए इस और ध्यान देना बहुत जरूरी है। सर्दियों में यह समस्या अधिक होती है। अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके और डाक्टरी सलाह लेकर आप गाढ़े खून को पतला कर सकते हैं। चलिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी आपके साथ साझा करते हैं।

खून गाढ़ा क्यों होता है?

बिगड़ा लाइफस्टाइल और खान पान से जुड़ी गलत आदतें आपके खून को गाढ़ा कर सकती हैं जिन्हें हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है उनका खून गाढ़ा हो सकता है। जो लोग पानी व लिक्विड डाइट कम लेते हैं, जिसे डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) की समस्या हो।

डायबिटीज के मरीज का खून गाढ़ा हो सकता है।

धूम्रपान और एल्कोहल का अधिक सेवन करने से खून गाढ़ा हो सकता है।

जेनेटिक डिसऑर्डर्स (जैसे फैक्टर + लेडन म्यूटेशन)

मोटापा भी इसकी वजह है।

कुछ दवाइयों का साइड इफेक्ट

हार्मोनल असंतुलन होने पर खून गाढ़ा हो सकता है।

आपका खान-पान अनहैल्दी है।

फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर करने वाले

खून गाढ़ा होने के कुछ लक्षण

खून गाढ़ा होने की कुछ सामान्य निशानियां और लक्षण हैं, जो यह संकेत देते हैं कि रक्त का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा है हालांकि ये लक्षण व्यक्ति के स्वास्थ्य, उम्र और गाढ़े खून की गंभीरता पर निर्भर करते हैं।

थकावट और कमजोरी: अगर लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो क्योंकि गाढ़ा खून कोशिकाओं तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में बाधा डालता है, जिससे लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है।

सुन्न होना या झुनझुनी महसूस होना: हाथों, पैरों या अंगुलियों में सुन्नता या झुनझुनी महसूस होना इस बात का संकेत हो सकता है कि खून का प्रवाह ठीक से नहीं हो रहा।

सिरदर्द और चक्कर आना: खून गाढ़ा होने से मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त नहीं पहुंचता, जिससे सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

धुंधलापन या कम दिखना: आंखों की रक्त वाहिकाओं में खून का संचार सही से ना होने पर धुंधलापन और बाधित या अचानक दृष्टि की समस्या हो सकती है।

सीने में दर्द या भारीपन: गाढ़े खून के कारण हृदय को रक्त पंप करने में अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे सीने में दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है।

सांस लेने में कठिनाई: खून का थक्का बनने पर फेफड़ों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

त्वचा का लाल या नीला पड़ना: गाढ़ा खून त्वचा तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, जिससे त्वचा का रंग लाल, नीला या फीका दिख सकता है।

पैरों में सूजन और दर्द: खासकर पैरों में, खून के प्रवाह में रुकावट के कारण सूजन, दर्द या भारीपन महसूस हो सकता है। यह डीप वेन थ्रोम्बोसिस का संकेत हो सकता है।

तेज या अनियमित दिल की धड़कन: गाढ़े खून के कारण हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है।

बार-बार ब्लड क्लॉट्स बनना: शरीर के विभिन्न हिस्सों में बार-बार खून के थक्के बनना गाढ़े खून की प्रमुख निशानी है। यह काफी खतरनाक भी साबित हो सकती है।

हाथ-पैर ठंडे रहना: गाढ़े खून के कारण अंगों तक रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे हाथ और पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। सर्दी में यह परेशानी अधिक हो सकती है।

पाचन खराब: पेट में भारीपन, अपच या पेट दर्द की समस्या भी गाढ़े खून से जुड़ी हो सकती हैं क्योंकि इससे पाचन तंत्र को पर्याप्त रक्त नहीं मिलता।

नोट : यदि आप इनमें से कोई भी लक्षण अनुभव कर रहे हैं, तो यह आवश्यक है कि आप डॉक्टर से संपर्क करें। खून गाढ़ा होने की समस्या गंभीर हो सकती है और इसे अनदेखा करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। ब्लड टेस्ट और अन्य डायग्नोस्टिक टेस्ट से समस्या का सही कारण जाना जा सकता है।

इंडस्ट्री में आत्मसम्मान को भी घमंड समझा जाता है

अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशक से इंडस्ट्री में हैं। आज वे जहां हैं, उन्होंने वह जगह खुद अपनी मेहनत के दम पर बनाई है। मनोज बाजपेयी इंडस्ट्री की मुख्यधारा के कई चलनों से खुद को दूर रखते हैं। इस पर वे खुलकर बात भी करते नजर आते हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी इंडस्ट्री में अपने सफर पर बात करते दिखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें घमंडी समझा जाता है। इसकी वजह है।

पार्टी में क्यों नहीं जाते एक्टर?

हाल ही में एक मीडियो इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि वह विवादों से कैसे दूर रहते हैं और पार्टियों में जाने भी बचते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, मेरा कोई बड़ा विवाद नहीं रहा है, लेकिन हां, मैं किसी पार्टी में नहीं जाता हूं। अब लोग मुझे आमंत्रित भी नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें समझ आ गया है कि मेरे न जाने से नाराज और अपमानित होने की क्या जरूरत है, जिससे मैं बहुत खुश हूं। कृपया मुझे फोन न करें। मै रात को दस से साढ़े दस के बीच सो जाता हूं। सवेरे जल्दी उठता आया हूं हमेशा।

कौन है इंडस्ट्री में दोस्त?

अभिनेता ने आगे कहा, मैं कुछ लोगों से मिलने जाता हूं, मेरे कुछ निर्देशक मित्र हैं। शारिब हाशमी हैं, लेकिन अभिनेता मेरे ज्यादा दोस्त नहीं हैं। मैं के के मेनन को जानता हूं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। यहां तक कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी को भी, लेकिन अक्सर हमारी मुलाकात नहीं होती है। हम सभी बहुत व्यस्त लोग हैं।

घमंडी समझते हैं लोग

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा, जो लोग मुझे नहीं जानते हैं, वे मेरे प्रति एक धारणा बनाए बैठे हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि मैं बहुत घमंडी हूं, क्योंकि मैं रिजर्व रहता हूं। अलग-थलग रहता हूं। मैं अपनी निजता का सम्मान करता हूं। अगर किसी को लगता है कि मैं घमंडी हूं, तो ऐसा ही सही। जिस दिन वे मेरे साथ बैठेंगे और मुझे जानेंगे, इन सभी बातों को समझ जाएंगे। मैं घमंडी नहीं हूं, लेकिन मैं आत्म-सम्मान खा ख्याल रखता हूं। मनोज बाजपेयी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म डिस्पैच हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। इसे जी5 पर देखा जा सकता है।

संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट में प्रभास के अपोजिट नजर आएंगी मृणाल ठाकुर?

संदीप रेड्डी वांगा ने दो हिट फिल्मों कबीर सिंह और एनिमल के साथ बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाई है। और अब, वह पैन इंडिया स्टार प्रभास की मुख्य भूमिका वाली एक और बड़ी फिल्म स्पिरिट बनाने के लिए तैयार हैं। फिल्म में प्रभास एक पुलिस वाले के किरदार में होंगे और इसके 2025 की पहली तिमाही में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। इसी बीच फिल्म की स्टारकास्ट पर आए नए और बड़े अपडेट ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। स्पिरिट की टीम वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के साथ-साथ फिल्म के लिए कास्टिंग भी कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार इस एक्शन फिल्म की फीमेल लीड के लिए अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

करीना-सैफ की जोड़ी भी मचाएगी धमाल

फिल्म स्पिरिट भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसके निर्माता कथित तौर पर फिल्म में सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं को शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। खबरें तो यह भी हैं कि इसमें रियल लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। फिल्म में दोनों की नकारात्मक भूमिका होने की अटकलें हैं।

स्पिरिट में होंगे कुछ ग्रे एलिमेंट्स

स्पिरिट को एसआरवी और हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। यह पुलिस आधारित फिल्मों को आम तौर पर देखने के तरीके को बदलने का उनका प्रयास माना जा रहा है। फिल्म में अच्छे-बुरे किरदार के साथ-साथ कुछ ग्रे एलिमेंट्स भी हैं, जिनके लिए वांगा को जाना जाता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म में भी हर्षवर्धन रामेश्वर संगीत दे रहे हैं, जिन्होंने संदीप की पिछली ब्लॉकबस्टर एनिमल में संगीत दिया था। स्पिरिट का निर्माण भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्पिरिट के 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म की समाप्ति के तुरंत बाद संदीप रेड्डी वांगा रणबीर कपूर के साथ एनिमल पार्क की शूटिंग के लिए आगे बढ़ेंगे।

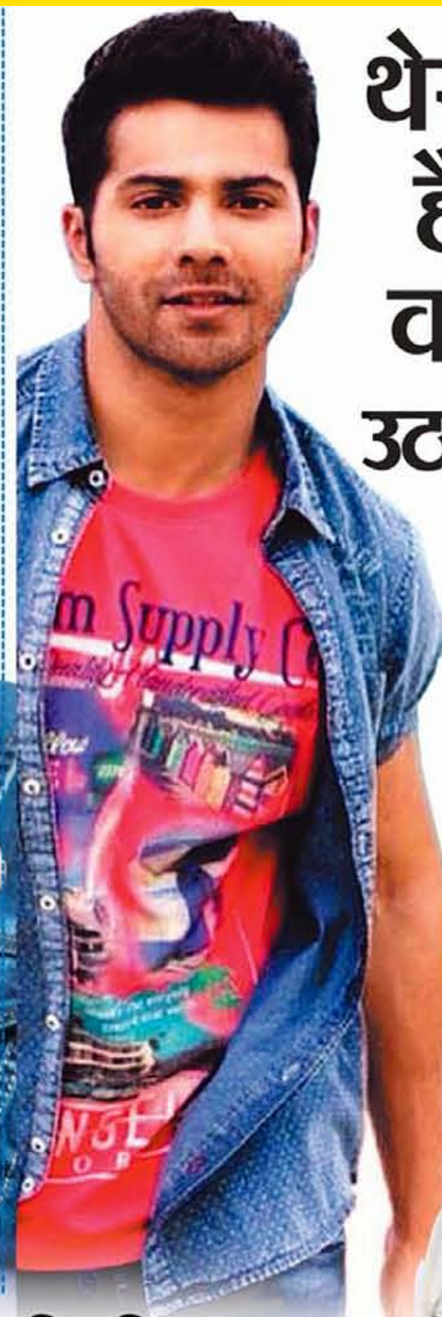

थेरी की रीमेक है बेबी जॉन? वरुण धवन ने उठाया सच से पर्दा

वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर खबरें हैं कि यह 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। हालांकि, अब वरुण धवन ने इन रिपोर्ट्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। वरुण ने साफ किया है कि फिल्म रीमेक नहीं बल्कि एक रूपांतरण है। वरुण धवन के अनुसार, फिल्म के प्लॉट में बड़ा बदलाव किया है। बेबी जॉन को कलीस ने निर्देशित किया है वहीं एटली इसके निर्माता हैं।

समीरा रेड्डी जब फिल्मों में आई थीं, तो उनके चेहरे की मासूमियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। आगे उन्होंने अपने बोल्ड अंदाज से भी दर्शकों को हैरान किया। लेकिन लंबे समय से यह एक्ट्रेस फिल्मों से दूर है। आखिर क्या कर रही हैं, समीरा इन दिनों? एक्टिंग नहीं कर रही हैं, तो कहां व्यस्त हैं?

एक्टिंग से दूर होकर भी चर्चा में रहती हैं समीरा

कुछ साल ही फिल्मों में नजर आई समीरा रेड्डी ने साल 2002 में फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कई बड़ी हिंदी फिल्मों में नजर आईं। साथ ही समीरा ने अलग-अलग दक्षिण भारतीय भाषा की फिल्में भी कीं। साल 2013 में वह आखिर बार एक दक्षिण भारतीय फिल्म में नजर आई थीं। साल 2014 में समीरा ने अक्षय वर्दे नाम के एक बिजनेस मैन से शादी कर ली और वह गोवा में बसी गई। समीरा और अक्षय के दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी। एक्ट्रेस समीरा पूरी तरह से अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गई। अब बनी गई सोशल मीडिया इस समय भी समीरा फैमिली लाइफ पर ध्यान दे रही हैं, साथ ही एक सफल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी बन चुकी हैं। वह अपने फैंस से, ऑडियंस से कनेक्ट रहती हैं। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लेती हैं। समीरा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं, वह शानदार वीडियो बनाकर पोस्ट करती हैं। साथ ही इस प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों की जिंदगी में एक पॉजिटिव चेंज भी ला रही हैं। समीरा एक सफल सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं तो लोग उनकी बातों को गंभीरता से लेते हैं। खासकर उनकी फैन फॉलोइंग में महिलाओं की संख्या बहुत अधिक है। ऐसे में समीरा लंबे समय से बॉडी पॉजिटिविटी पर बात करती हैं। वह आम महिलाओं को सेल्फ लव की सलाह देती हैं।

तापसी पन्नू की फिल्म हसीन दिलरुबा के तीसरे पार्ट को लेकर आया बड़ा अपडेट

तापसी पन्नू की हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी ने 2021 में नेटफ्लिक्स पर अपनी शुरुआत के बाद से बहुत प्रशंसा हासिल की है। यह रोमांस और अपराध का एक रोमांचक मिश्रण था और दर्शकों द्वारा इतना पसंद किया गया कि यह एक बड़ी हिट बन गई। पन्नू के साथ, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं, फिल्म की मनोरंजक कहानी और नाटकीय मोड़ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरे पार्ट में सनी कौशल की एंट्री हुई वह भी हिट रही। वहीं, अब इसके तीसरे पार्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जानकारी के अनुसार, फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिलने वाला है।

थिएटर में दस्तक देगी हसीन दिलरुबा की तीसरी किस्त

हसीन दिलरुबा के निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में इसका सीक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा रिलीज किया। ओरिजनल फिल्म की तरह दूसरी किस्त को भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर दर्शक मिले और चार्ट में शीर्ष स्थान पर रही। अब, इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों ने खुलासा किया है कि हसीन दिलरुबा के निर्माता अब फिर से ओटीटी मार्ग का अनुसरण करने के बजाए सिनेमाघरों में तीसरी किस्त जारी करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

थिएटर रिलीज की बढ़ी डिमांड

जानकारी के अनुसार, हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्में ओटीटी पर इतनी सफल हुई कि विभिन्न वितरकों ने निर्माताओं से तीसरी फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए कहना शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि तापसी पन्नू स्टारर इस फिल्म के तीसरे पार्ट की थिएटर रिलीज की काफी डिमांड है। निर्माता अब हसीन दिलरुबा की तीसरी किस्त को सिनेमाघरों में लाने पर विचार कर रहे हैं।

दर्शकों की उम्मीदें बढ़ीं

अगर तीसरी फिल्म वास्तव में सिनेमाघरों में रिलीज होती है, तो यह प्रशंसकों को बड़े पर्दे पर हसीन दिलरुबा के रहस्य और नाटक का अनुभव करने का मौका देगी। ओरिजिनल और उसके सीक्वल दोनों की सफलता को देखते हुए, तीसरे भाग से उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। संभावना है कि दर्शकों को इसके नाटकीय रिलीज की घोषणा का बेसब्री से इंतजार होगा।

हसीन दिलरुबा फ्रेंचाइजी की सफलता

विनिल मैथ्यू द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित पहली फिल्म में तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने अभिनय किया था। यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई और उस वर्ष मंच पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हिंदी फिल्म बन गई, जो 22 देशों में शीर्ष 10 में रही। जयप्रद देसाई द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित अगली कड़ी फिर आई हसीन दिलरुबा ने पांच साल बाद कहानी जारी रखी, जिसमें तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल ने अभिनय किया। फिल्म को इसकी अनूठी कहानी और तापसी पन्नू के प्रदर्शन के लिए सराहा गया, वहीं इसकी गति और कुछ कथानक मोड़ के लिए इसे आलोचना भी मिली।

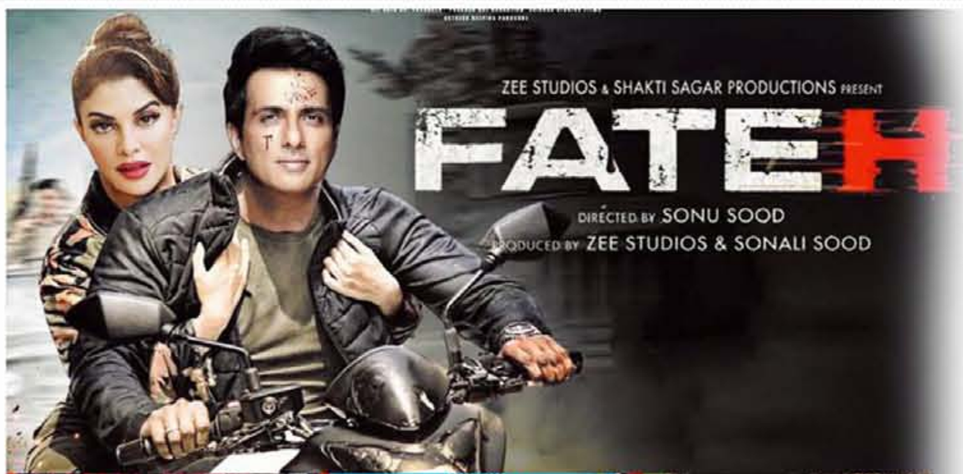

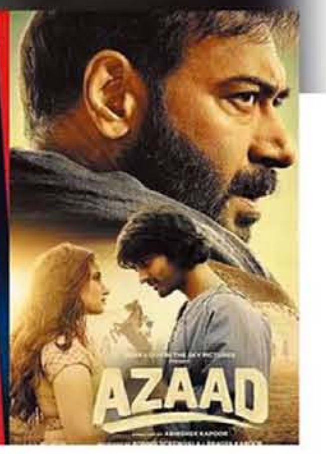

जनवरी में बजेगा साउथ-बॉलीवुड की फिल्मों का डंका, कंगना रनौत-राम चरण की फिल्म भी शामिल

अगले साल जनवरी में कई धमाकेदार बॉलीवुड और साथ ही साउथ की धमाकेदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस लिस्ट में कंगना रनौत से लेकर राम चरण तक की फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट।

इस लिस्ट में बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्में शामिल हैं। जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली इन फिल्मों में राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेंम चेंजर, अजय देवगन और राशा की फिल्म आजाद, कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी और सोनू सूद और जैकलीन की फतेह शामिल हैं।

गेम चेंजर

पैन इंडिया स्टार राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर की रिलीज का दर्शकों काफी लंबे समय से इंतजार है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों ने प्रशंसकों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। फिल्म के शानदार गाने और धमाकेदार ट्रेलर पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। गेम चेंजर में राम चरण एक आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में राम चरण के अलावा कियारा आडवाणी, अंजलि, समुथिरकानी, एसजे सूर्या, श्रीकांत, प्रकाश राज और सुनील भी नजर आएंगे। गेम चेंजर सभी दक्षिण भारतीय भाषाओं और हिंदी में रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

आजाद

निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद में अजय देवगन के अलावा राशा थडानी और अमन देवगन ने मुख्य अभिनय निभाया है। फिल्म आजाद 17 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपना डेब्यू कर रही हैं। आजाद का टीजर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। इस फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर कर रहे हैं। फिल्म में अजय, राशा और अमन के अलावा इसमें डायना पेंटी, पीयूष मिश्रा और मोहित मलिक जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

फतेह

फतेह एक आगामी बॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन खुद सोनू सूद कर रहे हैं। फिल्म में सोनी के अलावा जैकलीन नजर आएंगी। यह पहली फिल्म है, जिसका निर्देशन सोनू ने किया है। सोनू और जैकलीन के अलावा फिल्म में शिव ज्योति राजपूत और नसीरुद्दीन शाह भी नजर आएंगे। इस फिल्म का टीजर 16 मार्च को रिलीज हुआ था। फिल्म फतेह 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

इमरजेंसी

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनय करने के अलावा कंगना फिल्म की निर्माता-निर्देशक भी हैं। इस फिल्म में कंगना के अलावा अनुपर खेर, महिमा चौधरी, श्रेयस तलपदे जैसे सितारे नजर आएंगे।

ग्रैप-4 मानकों का उल्लंघन करने पर 207 पर 53 लाख का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली एनसीआर के नोएडा क्षेत्र में ग्रैप-4 के नियमों को प्रभावी तैर पर लागू रहने के लिए नोएडा प्राधिकरण द्वारा 14 टीमों की तैनात की गई है। ये 14 टीम शहरी ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आर्थिक रूप से दंडित भी कर रही है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने ग्रेप-4 के नियमों का पालन कराने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। सीईओ कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गठित टीमों बीते 15 अक्टूबर 24 से 16 दिसंबर 24 तक 45 सौ निर्माण कार्य एवं अन्य प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों का निरीक्षण किया गया। जिसमें 207 लोगों द्वारा वायु प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करते पाये जाने पर 5307700 (तिरेपन लाख सात हजार सात सौ रुपये) की पेनल्टी लगाई गई।

इस टीम द्वारा नोएडा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों व ग्रामों में निर्माणाधीन स्थलों पर निर्माण कार्यों को रोकने के साथ ही समस्त क्षेत्र में मैटेरियल को ढकवाने की कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि इस टीम ने शहरी क्षेत्र के मुख्य मार्गों एवं अन्य 10 हॉट स्पॉट पर पानी के 130 टैंकरों का प्रयोग कर पानी का छिड़काव व पेड़ों की धुलाई आदि का कार्य कराया। वहीं विभिन्न परियोजना स्थलों पर 113 एन्टी स्मॉग मशीन द्वारा वाटर स्प्रे कराया गया।

नोएडा के मुख्य मार्गों पर 340 किमी. लम्बाई में 12 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के द्वारा रोड का स्वीपिंग कार्य के अलावा नोएडा प्राधिकरण की टीम ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों एवं उपक्रमों से Grap-4 के नियमों का अनुपालन करने के लिए जागरूक अभियान भी चलाया।

यदु पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव 21 दिसंबर को : कुंज यादव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-73 सर्फाबाद गांव स्थित यदु पब्लिक स्कूल में आगामी 21 दिसंबर को वार्षिक उत्सव (एनुअल डे फंक्शन) का आयोजन किया जाएगा। इस बात की जानकारी यदु पब्लिक स्कूल की प्रबंध निदेशक श्रीमती कुंज यादव ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

स्कूल की एमडी श्रीमती कुंज यादव ने बताया कि स्कूल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कम से कम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ खेल को भी प्राथमिकता दी जाती है, जिससे बच्चे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि खेलों में भी आगे बढ़ें। उन्होंने बताया कि यदु पब्लिक स्कूल से कई छात्र-छात्राएं राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। स्कूल का फोकस बच्चों के सर्वांगीण विकास पर है ताकि वे समाज में सम्मानजनक पदों पर पहुंचें। प्रेस वार्ता के दौरान राज नारायण सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वार्षिक उत्सव कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, पूर्व मंत्री डीपी यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर विजेंद्र सिंह और जिलाधिकारी मनीष वर्मा उपस्थित रहेंगे।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो पोस्ट करने वाला गिरफ्तार, तमंचा बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो वायरल कर देश के संवैधानिक पद पर बैठे जननेता के सम्बन्ध में आपत्तिजनक, झूठी व भड़काऊ टिप्पणी करने वाला 1 अभियुक्त गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस, एक चाकू व आपत्तिजनक दस्तावेज (फोटो) व एक मोबाइल फोन बरामद किया।

16 दिसंबर को मीडिया सेल गौतमबुद्धनगर द्वारा एक अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो वायरल होने पर थाना सेक्टर-39 पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

अभियोग पंजीकृत होने के उपरान्त इलैक्ट्रॉनिक सर्विलांस व लोकल इंटेलिजेंस की मदद से सोशल मीडिया एक्स प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक वीडियों व भडकाऊ बयान प्रसारित करने वाले व्यक्ति को थाना सैक्टर-39 पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त शेख अताउल पुत्र उसमान गनी निवासी गांव बराल थाना रतुआ जिला मालदा प0 बंगाल हालपता एन-168 गली न0 05 अब्दुल फजल इन्कलैव दिल्ली (40 वर्ष) को सैक्टर-37 बस स्टैण्ड के पास से गिरफ्तार किया गया हैं, जिसके कब्जे एक तमंचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस, एक चाकू नाजायज व आपत्तिजनक दस्तावेज(फोटो) व एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

पांच शातिर चोर गिरफ्तार, बैटरी व आरआरयू बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओं को अन्जाम देने वाले 5 शातिर चोरों को 3 अदद बैटरी भिन्न-भिन्न कम्पनी व 1 अदद आरआरयू के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक मानेन्द्र सिंह पुत्र चतुर सिंह निवासी प्लाट नं0-16-18 गुरूग्राम की तहरीर बावत अज्ञात अभियुक्त द्वारा वादी की एयरटेल साईट से चोरी कर लेने के आधार पर थाना दादरी पर मु0अ0सं0-623/2024 धारा-303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

थाना दादरी पुलिस द्वारा चोरी की घटना करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 5 शातिर चोर आकाश पुत्र हरपाल निवासी अमर विहार कालोनी बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बार्डर जिला गाजियाबाद उम्र करीब 21 वर्ष, राकेश कश्यप पुत्र तुलाराम निवासी भैसोडी तिहानी थाना मिलक जिला रामपुर (23 वर्ष), यश पुत्र विनोद निवासी अमर विहार कालोनी बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बार्डर जिला गाजियाबाद (20 वर्ष), दीपक पुत्र जयभगवान निवासी राहुल गार्डन बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बार्डर जिला गाजियाबाद (20 वर्ष), लव कुमार उर्फ लक्की पुत्र अर्जुन सिंह निवासी अमर विहार कालोनी बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बार्डर जिला गाजियाबाद (21 वर्ष) को 3 अदद बैटरी भिन्न-भिन्न कम्पनी व 1 अदद आरआरयू सीरीयल नं0-CN 35620370 के साथ एनटीपीसी कट से करीब 50 मीटर पहले रुपवास की तरफ से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि हम सबने मिलकर पिछली रातों में जारचा रोड पर एयरटेल टावर से 2 RRU चोरी किया था। तथा आस-पास के इलाके से हमने गाडियों की बैटरी/टावरों के RRU चोरी किये थे।

वरिष्ठ पेंशनर्स को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर के पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जिले के वरिष्ठ पेंशनर्स को फूल माला एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया। वहीं पेंशनर्स के स्वास्थ्य जांच के लिए मेडिकल कैंप भी आयोजित हुआ।

गौतमबुद्ध नगर के पेंशनरों की समस्याओं का संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से निस्तारण हो सके इस उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश ने जनपद के वरिष्ठ पेंशनर्स यशोदा गुप्ता उम्र 96 वर्ष, रामेश्वर दयाल उम्र 91 वर्ष, सुरेश चंद्र गुप्ता उम्र 90 वर्ष, डॉ रमेश पंडित उम्र 87 वर्ष तथा दुर्गा प्रसाद सिंघल उम्र 83 वर्ष को फूल माला एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर डीएम ने वरिष्ठ कोषाधिकारी से कहा कि पेंशनर्स के सम्मुख जो भी समस्या आ रही हैं, आज पेंशनर दिवस के अवसर पर उनकी समस्याओं को सुनते हुए शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर उसका उसका समाधान किया जाए।

पेंशनर दिवस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा, कोषागार कार्यालय से वरिष्ठ लेखाकार शरद रस्तोगी, राजीव त्यागी, शिल्पी सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीमा पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर ठगी करने वाले महिला समेत चार गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। बीमा पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर लोगों का अपने जाल में फंसाकर ठगी करने वाले गैंग के एक महिला समेत चार लोगों को थाना सेक्टर-24 पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रामबदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर 17 दिसंबर को सेक्टर-11 के पास से पंकज कुमार सिंह पुत्र दीपक सिंह निवासी जैतपुर दिल्ली (28 वर्ष), कुशाग्रा पांडे पुत्री कमलेश कुमार पांडे निवासी सेक्टर-34 नोएडा (24 वर्ष), राजपाल सिंह पुत्र रूप सिंह निवासी जनपद धौलपुर राजस्थान (30 वर्ष), राहुल यादव पुत्र लक्ष्मी यादव निवासी दिल्ली (29 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने 16 मोबाइल फोन, तीन बंडल बीमा पॉलिसीयों के कागजात आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग बीमा पॉलिसीयों की संपूर्ण जानकारी के कागजात गोपनीय रूप से प्राप्त कर बीमा पॉलिसी धारकों को फोन करते हैं, तथा पॉलिसी को रिन्यू कराने के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाकर उनसे मोटी रकम ठग लेते हैं। ये लोग ग्राहकों द्वारा दी गई रकम को अपने खाते में ट्रांसफर करवा लेते हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि एनसीआर में इस तरह के कई कॉल सेंटर चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस तरह के अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सेक्टर-51 सामुदायिक केन्द्र में कई खामियां

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 स्थित कम्युनिटी सेंटर में नोएडा प्राधिकरण की वर्क सर्किल 3 टीम के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की दिशा में काम किया गया। इस बैठक में नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल 3 की ओर से करण सिंह त्यागी और प्रदीप कुमार और आरडब्ल्यूए सेक्टर-51 की ओर से संजीव कुमार और विनेश चौहान उपस्थित रहे।

संजीव कुमार ने बताया कि सबसे पहले बेसमेंट पार्किंग की समस्या पर ध्यान दिया गया। जहां पाया गया कि स्ङ्क वाहन तो बिना किसी समस्या के पार्क हो जाते हैं, लेकिन सेडान कारें रैंप पर फंस जाती हैं और वाहनों को नुकसान पहुंचता है। इसके साथ ही रैंप का स्लोप और निर्माण सामग्री की भराई भी गलत पाई गई, जिसके लिए रैंप को दोबारा तोड़कर बनाने की हिदायत दी गई।

विनेश चौहान ने बताया कि बारात घर में शौचालयों की स्थिति भी चिंताजनक पाई गई। शौचालय सुचारू रूप से काम नहीं कर रहे थे, जिसके लिए नए टेंडर करने का अनुरोध किया गया। साथ ही किचन के अभाव में आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की गई और ग्रीज ट्रैप लगाकर किचन बनाने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में बारात घर में आग से संबंधित कोई भी सुरक्षा व्यवस्था नहीं पाई गई।

नोएडा में लगातार होने वाले शादी समारोहों को देखते हुए, अधिकारियों से फायर अप्लायंसेज और आवश्यक सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने का अनुरोध किया गया।